दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....
लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।
बर्थडे स्पेशल : ब्यूटी विद ब्रेन एक्ट्रेस ...8
बलरामपुर
सोमवार, 05 जनवरी 2026
वर्ष: 05 अंक : 93 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/- रुपया
सम्पादक : राजेश शर्मा
दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

वॉलीबॉल कोर्ट से ओलंपिक तक, काशी में नेशनल चैंपियनशिप के उद्घाटन पर पीएम मोदी ने बताया भारत का मिशन 2036

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चौंपियनशिप का भव्य उद्घाटन किया। काशी के सांसद के रूप में खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए पीएम ने कहा कि यह टूर्नामेंट श्एक भारत, श्रेष्ठ भारतश की सुंदर तस्वीर पेश कर रहा है, क्योंकि इसमें देश के 28 राज्यों की टीमें हिस्सा ले रही हैं।

खेल और देश के विकास में समानताः प्रधानमंत्री ने वॉलीबॉल के खेल को भारत की प्रगति से जोड़ते हुए एक खास संदेश दिया। उन्होंने कहा, श्वॉलीबॉल संतुलन, सहयोग और इच्छाशक्ति का खेल है। जिस तरह वॉलीबॉल में जीत टीम के आपसी भरोसे और तालमेल पर निर्भर करती है, वैसे ही हमारा देश भी टीम भावना के साथ आगे बढ़ रहा है। जब हर नागरिक अपनी जिम्मेदारी निभाता है, तभी राष्ट्र सफल होता है।श

एथलीट-केंद्रित मॉडल और नए सुधारः पीएम मोदी ने जोर देकर कहा कि 2014 के बाद से भारत का खेल मॉडल पूरी तरह बदल चुका है। अब सरकार की नीतियां एथलीटों के कल्याण को प्राथमिकता देती हैं। उन्होंने नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस एक्ट और खेलो भारत नीति 2025 का जिक्र करते हुए कहा कि इन सुधारों से खेलों में पारदर्शिता आएगी और सही प्रतिभा को आगे बढ़ने का मौका मिलेगा।

भारत की नजर 2036 ओलंपिक पर

संबोधन के दौरान पीएम ने भारत की भविष्य की खेल योजनाओं पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि पिछले दशक में भारत ने फीफा अंडर-17 और हॉकी वर्ल्ड कप जैसे 20 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट्स की सफल मेजबानी की है। पीएम ने कहा, श्भारत 2030 के कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी करेगा और 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए सक्रिय रूप से दावेदारी की तैयारी कर रहा है।श

काशी का बदलता स्वरूप

प्रधानमंत्री ने कहा कि काशी में तैयार हो रहे नए खेल इंफ्रास्ट्रक्चर से यहां के युवाओं को बहुत फायदा हो रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि काशी अब बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के लिए पूरी तरह तैयार है, जिससे शहर की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिल रही है।

संभल में प्रशासन का बड़ा एक्शन, अवैध मस्जिद और मदरसे पर चला बुलडोजर, एक मस्जिद ग्रामीणों ने खुद ढहाई

संभल। जिले के असमोली थाना क्षेत्र में रविवार को प्रशासन ने अवैध कब्जों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। भारी पुलिस बल और तीन बुलडोजरों के साथ पहुंची टीम ने सरकारी जमीन पर बने एक मदरसे और एक मस्जिद को जमींदोज कर दिया। वहीं, एक अन्य मामले में ग्रामीणों ने प्रशासन के पहुंचने से पहले ही खुद हथौड़ों से अवैध मस्जिद को तोड़कर मलबा कर दिया।

पहले ही टूट गई मस्जिदः सबसे चौंकाने वाला मामला हाजीपुर गांव का है। यहां 1339 वर्ग मीटर (करीब डेढ़ बीघा) सरकारी जमीन पर अवैध रूप से मस्जिद बनाई गई थी। तहसीलदार धीरेंद्र प्रताप सिंह जब टीम के साथ वहां पहुंचे, तो मस्जिद की जगह सिर्फ मलबा मिला। कार्रवाई के डर से ग्रामीणों ने रातभर हथौड़े और छेनी चलाकर मस्जिद को खुद ही ढहा दिया। प्रशासन की प्रतिक्रियाः तहसीलदार ने कहा कि यह अच्छी बात है कि लोगों को सद्बुद्धि आई और उन्होंने खुद अवैध निर्माण हटा लिया। प्रशासन ने 3 घंटे की मेहनत के बाद वहां से सारा मलबा साफ कराया।

वेनेजुएलां पर यूएस एक्शन के पर बवाल

राष्ट्रपति मादुरो की गिरफ्तारी पर भारत ने कहा- शांति से सुलझाएं मसला

वेनेजुएला में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी पर भारत सरकार ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने रविवार को एक आधिकारिक बयान जारी कर वहां के ताजा हालातों पर श्गहरी चिंताश व्यक्त की है। भारत ने स्पष्ट किया है कि वह वेनेजुएला में तेजी से बदलती स्थिति पर करीब से नजर बनाए हुए है।

विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा, श्भारत वेनेजुएला के लोगों की भलाई और सुरक्षा के लिए अपने समर्थन की पुष्टि करता है। हम सभी संबंधित पक्षों से आग्रह करते हैं कि वे शांतिपूर्ण बातचीत के जरिए मुद्दों को सुलझाएं ताकि क्षेत्र में शांति और स्थिरता सुनिश्चित की जा सके।श

भारतीय नागरिकों के लिए सख्त चेतावनीः बढ़ते तनाव को देखते हुए विदेश मंत्रालय ने शनिवार को ही एक ट्रैवल एडवायजरी जारी की थी। इसमें भारतीय नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे वेनेजुएला की सभी श्गैर-जरूरी यात्राश से बचें। जो भारतीय वर्तमान में वहां मौजूद हैं, उन्हें अत्यधिक सावधानी बरतने और अपनी आवाजाही सीमित रखने को कहा गया है। कराकास स्थित भारतीय दूतावास वहां रह रहे भारतीय समुदाय के लगातार संपर्क में है। आपातकालीन स्थिति के लिए दूतावास ने निम्नलिखित संपर्क सूत्र साझा किए हैं, ईमेलः **cons-caracas@mea-gov-in** और हेल्पलाइन नंबररू 58-412-9584288।

क्या है पूरा विवाद?

यह कूटनीतिक हलचल तब शुरू हुई जब शनिवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर अमेरिकी सेना ने काराकास में एक बड़ा सैन्य ऑपरेशन चलाया। श्नारको-टेररिज्मश पर कार्रवाई के नाम पर किए गए इस हमले में राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को हिरासत में लेकर देश से बाहर ले जाया गया है। ट्रंप ने एलान किया है कि सत्ता के सुरक्षित हस्तांतरण तक वेनेजुएला का प्रशासन अमेरिका के नियंत्रण में रहेगा। भारत के लिए वेनेजुएला सामरिक और ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण है, इसलिए नई दिल्ली के इस बयान को वैश्विक राजनीति में अहम माना जा रहा है।

यूपी में आवासीय क्षेत्रों में नहीं जारी होंगे थोक दवा के लाइसेंस, कोडीन सीरप मामले के बाद FSDA की नई गाइडलाइन

लखनऊ। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) ने नए थोक दवा के लाइसेंस जारी करने के लिए दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। कोडीन युक्त सीरप की अवैध बिक्री के दौरान मिली गड़बड़ियों के बाद यह दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। खासतौर से अब थोक दवा लाइसेंस आवासीय क्षेत्रों और भवनों में नहीं जारी किए जाएंगे। लाइसेंस के लिए जरूरी अनुभव प्रमाण पत्र देने वाली फर्म को वेतन और उपस्थिति का ब्यौरा भी देना होगा। ऐसे लोग या फर्म जिनके खिलाफ ड्रग एंड कास्मेटिक या एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई हुई हो, उन्हें नया लाइसेंस नहीं जारी किया जाएगा।

आवेदन के लिए जरूरी दस्तावेजः एफएसडीए आयुक्त रोशन जैकब ने थोक दवा लाइसेंस प्रक्रिया को अधिक सुदृढ़ व पारदर्शी बनाने के लिए नए दिशा-निर्देश में कहा है कि आवेदनकर्ता को अब जिस जगह व्यापार करना है, उसका पंजीकृत किराया समझौता (रजिस्टर्ड रेंट एग्रीमेंट) देना होगा। यदि भवन स्वामी रक्त संबंधी (ब्लड रिलेशन) में हो तो उसे नवीनतम अनापत्ति प्रमाण पत्र देना होगा।

कश्मीर में शीतलहर तेज, न्यूनतम तापमान में गिरावट

कश्मीर घाटी में न्यूनतम तापमान में एक दो डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है जिससे पूरे क्षेत्र में शीतलहर का प्रकोप और तेज हो गया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि श्रीनगर में शनिवार रात न्यूनतम तापमान शून्य से 3.2 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो पिछली रात के शून्य से 1.5 डिग्री सेल्सियसन नीचे दर्ज किये गए तापमान से कम है। उत्तरी कश्मीर का प्रसिद्ध स्की रिसॉर्ट गुलमर्ग घाटी में सबसे सर्द स्थान बना हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि गुलमर्ग में लगातार दूसरी रात न्यूनतम तापमान शून्य से 6.5 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। वहीं, दक्षिण कश्मीर के पर्यटन स्थल पहलगाम में यह शून्य से पांच डिग्री सेल्सियस नीचे बना हुआ है। घाटी के प्रवेश द्वार काजीगुंड में न्यूनतम तापमान शून्य से चार डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। कोकेरनाग में यह शुन्य से 1.6 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा, जबकि उत्तर कश्मीर के कुपवाड़ा में यह शुन्य से 2.5 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र इस समय 'चिल्ला-ए-कलां' के दौर से गुजर रहा है। यह 40 दिनों की कड़ाके की ठंड की अवधि होती है और इस दौरान रात का तापमान अक्सर शून्य से कई डिग्री नीचे चला जाता है। हालांकि, वर्तमान आंकड़े (तापमान के) सामान्य पैटर्न से अलग नजर आ रहे हैं. इस अवधि के दौरान आमतौर पर बर्फबारी की संभावना सबसे अधिक रहती है। इसके बावजूद, इस मौसम में अब तक घाटी के मैदानी इलाकों में बर्फबारी नहीं हुई है।

एर्णाकुलम में गिरजाघर में पटाखों की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत, एक अन्य घायल

केरल में एर्णाकुलम जिले के एक गिरजाघर में रविवार को उत्सव के दौरान पटाखों में हुए विस्फोट की चपेट में आने से 68 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से झुलस गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, मृत व्यक्ति की पहचान कडाथी निवासी रवि के रूप में हुई है, जबकि वलाक्कोम निवासी जेम्स (46) इस हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राथमिकी के अनुसार, यह विस्फोट मुवत्तुपुझा के पास कडाथी में स्थित सेंट पीटर एवं सेंट पॉल गिरजाघर में सुबह लगभग 8:30 बजे हुआ। प्राथमिकी के मुताबिक, रवि एक उत्सव के हिस्से के रूप में गिरजाघरभवन में पटाखों के फ्रेम में विस्फोटक भर रहा था, तभी वह गलती से फट गया। इस घटना में रवि गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि जेम्स बुरी तरह झुलस गया। दोनों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां रवि ने दम तोड़ दिया।

बाड़मेर-बालोतरा सीमा का पुनर्गठन तुगलकी आदेश :अशोक गहलोत

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य की भाजपा सरकार द्वारा शनिवार देर रात किए गए बाड़मेर और बालोतरा जिलों की सीमाओं के पुनर्गठन की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने रविवार को इस कदम को तुगलकी आदेश करार देते हुए कहा कि यह जल्दबाजी में लिया गया निर्णय है जो जनहित के खिलाफ है। गहलोत ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, बायतू को बाड़मेर जिले में और गुड़ामालानीदृधोरीमन्ना को बालोतरा में शामिल करने का निर्णय प्रशासनिक दृष्टि से कतई तर्क संगत नहीं है। इससे गुड़ामालानी क्षेत्र की जनता के लिए जिला मुख्यालय की दूरी कम होने के बजाय और बढ़ गई है। गहलोत ने कहा, "यह आम जनता के साथ घोर अन्याय है। स्पष्ट है कि यह निर्णय जनसुविधा के लिए नहीं बल्कि आगामी परिसीमन और सियासी समीकरणों को साधने के लिए लिया गया है।"

भारतीय सेना की नई ड्रोन ऑपरेटर्स तैयार

1 लाख ऑपरेटर्स के साथ भैरव स्पेशल फोर्स तैनात

आधुनिक युद्ध के बदलते स्वरूप को देखते हुए भारतीय सेना ने एक बड़ी रणनीतिक छलांग लगाई है। सेना ने अपने बेड़े में 1 लाख से अधिक ड्रोन ऑपरेटर्स का एक विशाल पूल तैयार किया है। इस विशेष दस्ते में सेना की नवनिर्मित स्पेशल फोर्स भैरव भी शामिल है, जो अत्याधुनिक तकनीक और घातक मारक क्षमता से लैस है।

कौन है नई भैरव स्पेशल फोर्स?: सेना के पुनर्गठन के तहत बनाई गई भैरव बटालियन इस आधुनिक बदलाव का चेहरा है। ये यूनिट्स पारंपरिक युद्ध शैली से हटकर नई सोच और ऑपरेशनल जरूरतों के हिसाब से तैयार की गई हैं। 2 भैरव बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर ने इस मिशन की अहमियत बताते हुए कहा, श्आज के दौर में युद्ध की प्रकृति बहुत तेजी से बदल रही है।

दुश्मन के ठिकानों पर अब आसमानी नजर

इन एक लाख से ज्यादा जवानों को न केवल ड्रोन उड़ाने, बल्कि वास्तविक युद्ध की स्थितियों में दुश्मन के ठिकानों, उनकी मूवमेंट और फॉर्मेशन्स को सटीक तरीके से टारगेट करने की कड़ी ट्रेनिंग दी गई है। यह कदम आज के श्हाइब्रिडश युद्ध की चुनौतियों को देखते हुए उठाया गया है, जहां तकनीक और इंटेलिजेंस जीत का मुख्य आधार हैं।

डिजिटल अरेस्ट धोखाधड़ी में बुर्जुग से 7.12 करोड़ रुपये की ठगी

हैदराबाद में मुंबई पुलिस अधिकारी बनकर डिजिटल अरेस्ट धोखाधड़ी करने वाले जालसाजों ने 81 वर्षीय एक व्यक्ति को मादक पदार्थ तस्करी रैकेट में शामिल होने की धमकी देकर सत्यापन के बहाने उससे 7.12 करोड़ रुपये ठग लिए। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, साइबर ठगों ने पीड़ित को पिछले साल 27 अक्टूबर को फोन किया और खुद को एक कूरियर कंपनी का प्रतिनिधि बताते हुए दावा किया कि मुंबई से थाईलैंड भेजे गए एक पार्सल में एमडीएमए (मादक पदार्थ), पासपोर्ट और कुछ डेबिट और क्रेडिट कार्ड मिला है जिसे मुंबई पुलिस को सौंप दिया गया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इसके बाद, एक अन्य व्यक्ति ने मुंबई पुलिस अधिकारी बनकर बुजुर्ग को फोन किया और कहा कि वह मादक पदार्थ तस्करी, धन शोधन एवं आतंकवादी गतिविधियों के एक बड़े रैकेट में शामिल है। उन्होंने बताया कि जालसाजों ने बैंक खाते के सत्यापन और मामले से बचने के बहाने बुजुर्ग से पैसे हस्तांतरित करवाए। पीड़ित बुजुर्ग ने दो महीने के भीतर कुल 7.12 करोड़ रुपये हस्तांतरित कर दिए।

जब जालसाजों ने और पैसे मांगे तो उन्होंने 30 दिसंबर को तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो में इसकी शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण और शीतलहर का डबल अटैक

कोहरे की चादर में लिपटी राजधानी, बहुत खराब हुई हवा

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में कड़ाके की ठंड के साथ-साथ प्रदूषण का कहर जारी है। रविवार सुबह दिल्लीवासी ठंडी, बर्फीली हवाओं और घने कोहरे के बीच उठे। कोहरे के कारण शहर के कई हिस्सों में विजिबिलिटी काफी कम दर्ज की गई, जिससे यातायात पर भी असर पड़ा। सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 248 दर्ज किया गया, जो श्खराबश श्रेणी में आता है। हालांकि, शहर के कई हॉटस्पॉट्स पर हालात इससे कहीं ज्यादा गंभीर बने हुए हैं। राजधानी के मुख्य मॉनिटरिंग स्टेशनों पर हवा की गुणवत्ता श्बहुत खराबश श्रेणी में पहुंच गई है। आनंद विहार (350), रोहिणी (361), चांदनी चौक (355) और मुंडका (329) जैसे इलाकों में सांस लेना दूभर हो गया है। इसके विपरीत, छेप्ज द्वारका और इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट जैसे क्षेत्रों में हवा थोड़ी बेहतर रही, जहां एक्यूआई 177 दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने बताया कि रविवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान गिरकर 9 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जिससे ठिठुरन और बढ़ गई है। प्रदूषण और स्मॉग की इस धुंध के बावजूद, इंडिया गेट पर गणतंत्र दिवस परेड की तैयारियां जोर-शोर से जारी हैं। जवानों का अभ्यास और अन्य तैयारियां कोहरे के बीच भी थमी नहीं हैं। मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि आने वाले दिनों में अधिकतम तापमान 18 से 19 डिग्री और न्यूनतम तापमान 7 से 8 डिग्री सेल्सियस के बीच बना रहेगा। ठंड और धुंध का यह सिलसिला फिलहाल थमता नजर नहीं आ रहा है। उत्तर और मध्य भारत के लिए भी मौसम विभाग ने श्शीतलहरश का अलर्ट जारी किया है। अगले कुछ दिनों में तापमान में और गिरावट आने और घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। पहाड़ी राज्यों की बात करें तो 5 और 6 जनवरी को जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और मुजफ्फराबाद में हल्की बारिश और बर्फबारी हो सकती है, जबकि हिमाचल प्रदेश में 6 जनवरी को बारिश के आसार हैं। पहाड़ों पर होने वाली इस हलचल का सीधा असर मैदानी इलाकों की ठंड पर पड़ेगा।

यूएई के दो दिवसीय दौरे पर रवाना हुए सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी रविवार को द्विपक्षीय सैन्य सहयोग को मजबूत करने के तरीकों का पता लगाने के लिए दो दिवसीय दौरे पर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के लिए रवाना हुए। भारतीय सेना ने सोशल मीडिया पर कहा, यह दौरा आपसी समझ को गहरा करने, साझा हितों के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने की साझा प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

देवर पर साजिश करके जमीन का हिब्बानामा करा लेने का आरोप: पीड़ित ने एसपी से की गुहार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। मुण्डेरवा थाना क्षेत्र की रामपुर निवासिनी आसमा खातून पत्नी स्वर्गीय अब्दुल हक ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर धोखाधड़ी से सास आमिना खातून से बीमारी की अवस्था में महमूद अहमद देवर द्वारा साजिश कर हिब्बा बैनामा करा लेने, शिकायत करने पर गांव से बाहर चले जाने, हत्या की धमकी देने के मामले में दोषी के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर न्याय दिलाने की गुहार लगाया है। एसपी को दिये पत्र मं आसमा खातून ने कहा है कि उसके शौहर का इन्तकाल लगभग 8 साल पूर्व हो चुका है। उसके पास 7 लड़कियां फहमिदा खातून, सवीना खातून, सकीना खातून, सुमैया खातून, रूकइया खातून, सयैदा खातून, फातिमा खातून है। उसके देवर महमूद अहमद खान पुत्र सिरताज है जिन पर वह काफी भरोसा और विश्वास करती थी। उसकी सास श्रीमती अमिना खातून पत्नी स्व० सिरताज उसके साथ रहती थी जिनकी देखभाल व सेवा परवरिस वह और उसकी लडकियां ही करती थी। सास आमिना खातून को बिमार हो जाने 3 सितम्बर 2024 को सायरा नर्सिंग होम बस्ती में डा० गुफरान के यहां भर्ती कराया गया। हालत ठीक न होने पर जी०एस० हास्पिटल निकट जीवन बीमा निगम मालवीय रोड बस्ती के यहां 03–09–2024 को ही भर्ती कराया गया जो दिनांक 10–09–2024 तक भर्ती रही उसके बाद दिनांक 11–09–2024 को ले पी.एम. पर ओली हेल्थ लैब विभूती खण्ड गोमती नगर लखनऊ में जांच कराया गया और 04–10–2024 को उसकी सास श्रीमती अमिना खातून की मृत्यु हो गयी। उसका देवर महमूद अहमद जिनकी बीबी अफीफा खातून 16 साल तक मायके में रही और सास की सेवा भी नहीं किया। महमूद अहमद व उसकी बीबी अफीफा खातून दोनो न आपस में साजिस रचकर जी०एस० हास्पिटल बस्ती के कर्मचारियों को साजिस में करके सास आमिना खातून को अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान महमूद ने 09–09–2024 को पांच हजार रूपया का दस्तावेज स्टाम्प अमिना खातून के नाम खरीदा और दिनांक 09–09–24 को कुमुद बिहारी मसविदाकर्ता निकट उपनिबन्धक कार्यालय सदर बस्ती थाना कोतवाली जिला बस्ती तथा गवाह कमालुददीन पुत्र अमरूल्लाह ग्राम सिहबरा पो० सल्ट्रौवा गोपालपुर व गवाह राम सुमेर पुत्र सीताराम ग्राम सिंहवरा पोस्ट सल्टौवा गोपालपुर को साजिस में करके सास अमिना खातून से बीमारी की हालत के दौरान मूल रचित दस्तावेज हिब्बा बैनामा तैयार कराकर कार्यालय कर्मचारियों व अधिकारी की साजिस से दिनांक 10–09–2004 रजिस्सी हिन्बानामा करा लिया। सास में उसका हक हिस्सा 1/2 है जिसकी दाखिल खारिज खतौनी में भी चुपके चुपके समन का तामीला फर्जी तरीके से महमूद अहमद ने करा लिया है। उसके देवर महमूद अहमद ने उसका व बेटियों की देखभाल व शादी विवाह करने की बात कहकर सवीहा खातून पत्नी जमाल अहमद निवासी छितही थाना महुली थाना धनघटा संतकबीरनगर को बेचवाकर उसका 32,50,000 रूपया उसे औरत की जात कहकर अपने पास जमाल अहमद से मांगकर महमूद अहमद ने रख लिया । उसको धीरे धीरे डेढ़ दो लाख रूपया दिया सारा पैसा बेईमानी करके हड़प लिया और उसी पैसे से सरताज मार्केट बनवा लिया है।

पैसा मांगने पर महमूद अहमद व उसका लड़का मुन्ना और महमूद की औरत ने उसको गन्दी गन्दी गाली देते हुए धमकी दिया कि अगर रामपुर गांव में दिखाई दिया तो तुम्हारी हत्या करवा दूगां। और तुम लोगो को कुछ भी हिस्सा नहीं दूगां। हमारा रूपया भी हड़प लिया और धोखाधड़ी और जालसाजी से कूट रचित दस्तावेज तैयार करके जायदाद हड़प लिया है। आसमा खातून ने मांग किया है कि दोषी के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कराकर उसे न्याय दिलाया जाय।

वशिष्ठ रामायण कथा में हिस्सा लेंगे हिमांचल के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। फरवरी माह में आयोजित महर्षि वशिष्ठ मन्दिर के प्राण

प्रतिष्ठा समारोह में हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल सम्मिलित होंगे। वशिष्ठ रामायण कथा के मुख्य यजमान और दिग्गज उद्योगपति चंद्र भूषण मिश्र ने उन्हें वशिष्ठ आश्रम बढ़नी मिश्र आने का न्यौता दिया है। उक्त जानकारी देते हुए कार्यक्रम संयोजक राना दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि आयोजन समिति के सदस्य राजेश त्रिपाठी सहित तीन सदस्यीय प्रतिनिधि मण्डल ने हिमाचल प्रदेश स्थित शिमला के लोक भवन में राज्यपाल से रविवार को मुलाकात किया। महामहिम को बताया गया कि महर्षि वशिष्ठ आश्रम परिसर में 18 से 26 फरवरी तक गुरु वशिष्ठ मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा और वशिष्ठ रामायण कथा प्रस्तावित है। यह भी बताया कि तुलसी पीठाधीश्वर जगत गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज द्वारा विश्व में पहली बार प्रभु श्रीराम के कुल गुरु महर्षि वशिष्ठ पर 09 दिवसीय कथा होनी है। जिस प्रकार वर्षों की प्रतीक्षा के बाद अयोध्या धाम के जन्मभूमि में भगवान श्रीराम प्रतिष्ठित हुए हैं उसी प्रकार गुरु वशिष्ठ भी शिष्यों और माता अरुंधति के साथ अपने पौराणिक आश्रम में प्रतिष्ठा पूर्वक स्थापित होंगे। श्री राना ने बताया कि राज्यपाल श्री शुक्ल ने आमंत्रण को सहर्ष स्वीकार करते हुए समारोह में आने का आश्वासन दिया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के भव्य स्वागत की तैयारी

ब्लाक प्रमुख अभिषेक कुमार ने ग्राम प्रधानों के साथ किया तैयारी बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी के 5 जनवरी को गोरखपुर में प्रथम आगमन को लेकर तैयारियां लगातार जारी है। रविवार को भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के क्षेत्रीय मंत्री एवं साऊघाट ब्लॉक प्रमुख अभिषेक कुमार के नेतृत्व में ब्लाक परिसर में प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के स्वागत तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया।भाजपा नेता अभिषेक कुमार ने क्षेत्र के ग्राम प्रधानों के साथ तैयारी बैठक में कहा कि कार्यकर्ता 5 जनवरी 2026 को प्रातः 8 बजे तक बस्ती टोल प्लाजा पर एकत्र होंगे। इसके उपरांत सभी कार्यकर्ता एक विशाल काफिले के रूप में गोरखपुर एयरपोर्ट के लिए प्रस्थान करेंगे। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के स्वागत के पश्चात सभी कार्यकर्ता गोरखपुर एयरपोर्ट होते हुए क्षेत्रीय कार्यालय रानीडीहा पहुंचेंगे, जहां प्रातः 10.30 बजे उनका भव्य स्वागत किया जाएगा। कहा कि प्रदेश अध्यक्ष का प्रथम आगमन पूरे पूर्वांचल के लिए ऐतिहासिक क्षण है। भाजपा संगठन पूर्ण उत्साह, अनुशासन और गरिमा के साथ इस कार्यक्रम को सफल बनाएगा।तैयारी बैठक में ग्राम प्रधान प्रतिनिधि विनय यादव, ग्राम प्रधान पवन वर्मा उर्फ पिंटू, रंजीत यादव, सूरज मिश्रा, ग्राम प्रधान दिनेश चौधरी, प्रधान प्रतिनिधि आत्माराम, मुक्तेश्वर यादव, अजय सिंह गौतम, ग्राम प्रधान विजय पांडे, अनिल चौधरी, अंकुर कुमार, राहुल चौधरी आदि उपस्थित रहे।

ग्रेजुएट मेडिकल प्रैक्टिशनर एसोसिएशन के वार्षिक पद ग्रहण समारोह

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। ग्रेजुएट मेडिकल प्रैक्टिशनर एसोसिएशन के वार्षिक पद ग्रहण समारोह का आयोजन रविवार को किया गया। जिसमें वर्ष 2026 के अध्यक्ष डॉक्टर ए के भट्ट सचिव डॉ विकास अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष डॉ ऋषि राज सिंह को संगठन के अध्यक्ष डॉ प्रांजल त्रिपाठी ने नए सत्र का कार्य भार ग्रहण कराया। कार्यक्रम में अध्यक्ष डॉक्टर प्रांजल ने 2025 के वित्तीय वर्ष में किए गए विभिन्न कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी सदस्यों को दिया। कहा कि संगठन का गठन 1986 में किया गया था। डॉक्टर देवेश चंद्र श्रीवास्तव, डॉ प्रमोद श्रीवास्तव, डॉ प्रदीप कुमार वी डॉक्टर क पांडे ने संस्था की स्थापना किया था। समारोह में बच्चों के द्वारा सांस्:तिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। अनुषा गुप्ता, अतिक्षा सिंह, मारवी गुप्ता, अहमद आतिफ, शिक्षा श्रीवास्तव अर्पित त्रिपाठी आदि ने नृत्य गायन प्रस्तुत करने पर संस्था की ओर से सम्मानित किया गया। नए अध्यक्ष डॉ एके भट्ट ने संस्था में जनहित कार्यों को अधिक से अधिक करने की बात कही।वर्ष 2025 मे विभिन्न शैक्षणिक प्रतियोगिताओ मे उपलब्धि प्राप्त करने वालो मे डा0नेहा श्रीवास्तव,डा0सौमित्र प्रकाश,डा0शगुन सिंह, इंजीनियर अना खान, डॉ आरिश खान,अर्पिता त्रिपाठी,फरान कय्यूम,अनमया पांडेय,डा0अनस खान,डा0साकिब रहमान को अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह, प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। डॉ कुलदीप विश्वकर्मा, डॉ अफजाल अहमद खान,डा0राकेश चन्द्रा,डॉ अशोक सिंह ,डा0सौरभ सिंह, डा0सतीश सिंह, डॉ अखिलेश उपाध्याय डॉ विजय पांडे ,डॉ जुबैर अहमद ,डॉ एच. एस .मिश्रा ,डॉ अब्दुल मन्नान ,डा. मनीष सिंह, डा0अब्दुल कय्यूम, डॉक्टर आतिफ रहमान, डॉ जाहिद खान ,डॉ असलम डा0 इश्तियाक खान,डॉ हिफजुर्रहमान,डॉ अभिषेक श्रीवास्तव विशेष योगदान रहा है।

कायस्थ सेवा ट्रस्ट के संरक्षक बने पंकज कुमार श्रीवास्तव

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। शनिवार को बस्ती सदर विकासखंड के हवेली खास

में कायस्थ सेवा ट्रस्ट की बैठक जिलाध्यक्ष मुकेश कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें हवेली खास निवासी पंकज कुमार श्रीवास्तव को संगठन का संरक्षक बनाया गया। संरक्षक पद की जिम्मेदारी मिलने पर पंकज कुमार श्रीवास्तव ने संस्थापक व जिलाध्यक्ष सहित उपस्थित सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों व सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन द्वारा मुझे जो भी जिम्मेदारी मुझे मिली है उसका निर्वहन मैं पूरी निष्ठा व ईमानदारी के साथ करूंगा। उन्होंने कहा कि मैं संगठन के विस्तारीकरण के साथ साथ जहां भी कायस्थों के साथ कोई अन्याय हो रहा है या किसी भी कायस्थ परिवार को कोई जरूरत है तो संगठन के माध्यम से उस व्यक्ति की मदद करने का प्रयास करूंगा। इस दौरान संस्थापक अजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि संगठन में पंकज कुमार श्रीवास्तव के आने से संगठन को और मजबूती मिली है। इस दौरान संगठन के संरक्षक सौरभ सिन्हा, वरिष्ठ पदाधिकारी नीतेश श्रीवास्तव , दुर्गेश श्रीवास्तव , सलाहकार समिति के सदस्य अनिल श्रीवास्तव , नवीन श्रीवास्तव , मंडल उपाध्यक्ष आलोक श्रीवास्तव , जिला संयोजक राजेश कुमार श्रीवास्तव , जिलाध्यक्ष मुकेश कुमार श्रीवास्तव , जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव , सक्रिय कार्यकर्ता अजय श्रीवास्तव व गौर विकास खंड के ब्लाक अध्यक्ष अभिषेक श्रीवास्तव उर्फ गुडलक तथा अंकुर श्रीवास्तव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

एनएसएस द्वारा तुलसीपुर देवीपाटन मंदिर में स्वच्छता शिविर एवं जागरूकता अभियान का आयोजन

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की मैत्री इकाई द्वारा तुलसीपुर देवीपाटन मंदिर परिसर में एक दिवसीय स्वच्छता शिविर एवं जन–जागरूकता अभियान का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम एनएसएस की कार्यक्रम अधिकारी गरिमा पांडे के मार्गदर्शन में स्वयंसेवकों की सक्रिय सहभागिता के साथ संपन्न हुआ। इस एक दिवसीय शिविर का मुख्य उद्देश्य मंदिर परिसर की स्वच्छता सुनिश्चित करने के साथ–साथ स्थानीय जनमानस को स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं सामाजिक जागरूकता से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों के प्रति जागरूक करना रहा। शिविर के दौरान एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा व्यक्तिगत स्वच्छता, पर्यावरण स्वच्छता तथा स्वास्थ्य जागरूकता से जुड़े विषयों पर विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में व्यक्तिगत स्वच्छता की आवश्यकता, आवश्यक सावधानियों एवं स्वस्थ जीवनशैली पर विशेष चर्चा की गई। विशेष रूप से किशोरियों को स्वच्छता अपनाने, इससे जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने तथा आत्मसम्मान के साथ स्वस्थ जीवन जीने के लिए प्रेरित किया गया। सरल एवं सहज भाषा में स्वच्छ व्यवहार, स्वास्थ्यवर्धक आदतों तथा संतुलित शारीरिक एवं मानसिक विकास के महत्व को समझाया गया। इस शिविर में एनएसएस स्वयंसेवकों की सहभागिता अत्यंत सराहनीय रही, जिनके प्रयासों की मंदिर परिसर के प्रबंधन एवं स्थानीय नागरिकों द्वारा भूरि–भूरि प्रशंसा की गई। यह कार्यक्रम समाज में स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं जागरूकता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं प्रेरणादायक पहल सिद्ध हुआ।

टीएन मेमोरियल हॉस्पिटल की स्थापना का उद्देश्य स्थानीय स्तर पर बेहतर उपचार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। जनपदवासियों को गैस्ट्रो से जुड़ी गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए अब दिल्ली और लखनऊ जैसे महानगरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। इसी उद्देश्य को लेकर टीएन मेमोरियल हॉस्पिटल की स्थापना की गई है, ताकि बस्ती और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को अपने ही शहर में बेहतर, सुलभ और आधुनिक इलाज उपलब्ध हो सके ।टीएन मेमोरियल हॉस्पिटल के गैस्ट्रो विशेषज्ञ डॉ. जीपी शुक्ला (एमबीबीएस, एमडी, डीएम गैस्ट्रो) ने बताया कि हॉस्पिटल की स्थापना का एकमात्र उद्देश्य यह है कि पेट, आंत और लिवर से जुड़ी बीमारियों से पीड़ित मरीजों को समय पर सही उपचार मिले और उन्हें बाहर के बड़े शहरों में जाने की मजबूरी न हो। उन्होंने कहा कि आज के समय में गैस्ट्रो से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं,

जिसका मुख्य कारण बदलती जीवनशैली और खान–पान की गलत आदतें हैं।डॉ. शुक्ला ने जानकारी दी कि टीएन मेमोरियल हॉस्पिटल में पेट, आंत, लिवर, फैटी लिवर, पीलिया, खून की उल्टी, बवासीर, कब्ज, एसिडिटी और इरिटेबल बाउल सिंड्रोम (आईबीएस) जैसी बीमारियों के इलाज की समुचित व्यवस्था उपलब्ध है। यहां आधुनिक जांच सुविधाओं के साथ अनुभवी चिकित्सकों द्वारा उपचार किया जा रहा है, जिससे मरीजों को भरोसेमंद चिकित्सा सुविधा मिल सके।उन्होंने कहा कि पेट और लिवर से जुड़ी कई बीमारियां शुरूआती लक्षणों को नजरअंदाज करने से गंभीर रूप ले लेती हैं। ऐसे में समय पर जांच और इलाज बेहद जरूरी है। टीएन मेमोरियल हॉस्पिटल में मरीजों को परामर्श के साथ–साथ बीमारी के कारणों और बचाव के तरीकों की भी जानकारी दी जाती है।डॉ. जीपी शुक्ला ने लोगों से अपील की कि वे जंक फूड और फास्ट फूड से परहेज करें, क्योंकि यह पेट और लिवर के लिए सबसे अधिक नुकसानदायक होता है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए संतुलित आहार अपनाना, नियमित दिनचर्या बनाना और जीवनशैली में योग को शामिल करना बेहद आवश्यक है। योग और व्यायाम से न केवल पाचन तंत्र मजबूत होता है, बल्कि कई गंभीर बीमारियों से भी बचाव संभव है।अंत में उन्होंने कहा कि टीएन मेमोरियल हॉस्पिटल जनपदवासियों के स्वास्थ्य को समर्पित है और भविष्य में भी बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास करता है।

डा. वी.के. वर्मा द्वारा जरूरतमंदों में कम्बल का वितरण का सिलसिला जारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। श्रीमती मुराली देवी मानव सेवा एवं शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित पटेल एस.एम.एच. हास्पिटल एवं पैरा मेडिकल

कालेज गोटवा एवं अन्य सहयोगी संस्थानों के सौजन्य से प्रबन्धक डा. वी.के. वर्मा ने डा. वी.के. वर्मा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल सांइस बसुआपार, मुराली देवी बालिका इण्टर कालेज जिला अस्पताल के आयुष विंग में जरूरतमंदों में कम्बल का वितरण किया गया।डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि समाज के सम्पन्न लोग गरीबों की हर संभव मदद करे तो लोगों को कडाके की ठंड का सामना नहीं करना पड़ेगा। बताया कि उनके द्वारा निरन्तर जरूरतमंदों में कम्बल का वितरण जारी है। अपने कार में वे कम्बल रखते हैं और जैसे ही कोई पात्र मिलता है उसे कम्बल देते हैं। कहा कि ठंड पड़ने तक यह सिलसिला जारी रहेगा। ज्ञात रहे कि डा. वर्मा पिछले कई वर्षो से कडाके की ठंड में जरूरतमंदों में कम्बल वितरण का सिलसिला जारी रखे हुये हैं। निदेशक आलोक रंजन ने कहा कि जरूरतमंदों में कम्बल वितरण के साथ ही पात्र लोगों का शिविर लगाकर हास्पिटल की ओर से उपचार भी किया जाता है। गरीबों की सेवा सबसे बडा धर्म है।कम्बल वितरण में डा. मनोज मिश्र, मनीष चौधरी, शिव प्रसाद,लालजी यादव, दीनबंधु उपाध्याय, विकास चौधरी आदि के द्वारा योगदान दिया जा रहा है।

गरीब, बुजुर्ग और बेसहारा लोगों में बंटा कम्बल

चौरीचौरा गोरखपुर।आर.पी. वेलफेयर ट्रस्ट के संयोजक वरिष्ठ समाजसेवी पं. एस.के. शर्मा ने चौरीचौरा विधानसभा क्षेत्र के बरही में आयोजित कम्बल वितरण कार्यक्रम में आधा दर्जन गांवों के एक हजार से ज्यादा लोगों में कम्बल का वितरण कर उनके चेहरों पर मुस्कान बिखेरने का काम किया। बरही के खेल मैदान में आयोजित कम्बल वितरण कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए एस.के. शर्मा ने कहा कि यह कम्बल वितरण अभियान एक औपचारिकता नहीं, बल्कि समाज के कमजोर, गरीब और असहाय लोगों के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। यह कम्बल सिर्फ एक कपड़ा नहीं, बल्कि हमारी संवेदना और प्यार का प्रतीक है। नर सेवा ही नारायण सेवा का भाव लेकर हम इस नेक काम के लिए आगे आये हैं। इस कड़ाके की ठंड में गरीब, बुजुर्ग और असहाय लोगों की सेवा करना ही सच्ची मानव सेवा है। इस दौरान श्री शर्मा ने ब्रह्मपुर ब्लाक के कोना सोनबरसा, बरही, डीहघाट, कैथवलिया, लक्ष्मीपुर, गोपलापुर सहित कई अन्य गांवों व स्वयं सहायता समूह की महिलाओं में कम्बल का वितरण किया। इस दौरान क्षेत्र के तमाम लोग उपस्थित थें।

एसपी विनीत जायसवाल ने शहर में चलाया प्लास्टिक मुक्त महाअभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद को प्लास्टिक

मुक्त बनाने के संकल्प के तहत पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल खुद सड़क पर उतरे और शहर में विशेष सफाई एवं प्लास्टिक मुक्त के तहत जागरूकता अभियान चलाया।एसपी ने गुरुनानक चौक से लेकर गुड्डूमल चौराहे तक पैदल घूम–घूमकर प्लास्टिक कचरा उठाया और लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया। इस अभियान में तीन एडिशनल एसपी भी एसपी के साथ मौजूद रहे। पुलिस अधिकारियों ने दुकानदारों व राहगीरों को सिंगल यूज़ प्लास्टिक के दुष्प्रभाव बताए और इसके प्रयोग से बचने की सख्त अपील की। दुकानदारों को कपड़े व कागज़ के थैले अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। एसपी विनीत जायसवाल ने स्पष्ट कहा कि प्लास्टिक मुक्त भारत केवल नारा नहीं, बल्कि जनसहभागिता से ही संभव अभियान है। उन्होंने चेतावनी भी दी कि प्रतिबंधित प्लास्टिक के उपयोग पर आगे कड़ी कार्रवाई की जाएगी।एसपी का यह अभियान न सिर्फ संदेश, बल्कि मिसाल बना है।

एसपी के निर्देशन मे कोतवाली देहात सहित कई थानों पर चला अभियान

इस क्रम मे एसपी के निर्देशन पर कोतवाली देहात सहित कई थानों मे चलाया गया प्लास्टिक मुक्त अभियान मे कार्यक्रम कर लोगों को किया गया जागरूक।

अंतरराष्ट्रीय कवियों से सजेगा सिद्धार्थनगर महोत्सव, बॉलीवुड नाइट में गोविंदा एंव पावन सिंह की रहेगी धुम

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। जनपद की

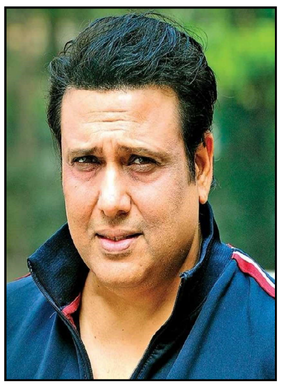

षान कहे जाने वाले सिद्धार्थनगर महोत्सव जो 28 जनवरी से एक फरवरी तक आयोजित होने वाला है इस बार ऐतिहासिक और यादगार बनने जा रहा है। बुद्ध भूमि के नाम से पहचाने जाने वाले सिद्धार्थनगर में पहली बार बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा अपनी धमाकेदार प्रस्तुति के साथ महोत्सव के मंच पर कदम रखेंगे। महोत्सव की बॉलीवुड नाइट में गोविंदा के कार्यक्रम तय हो चुके हैं, हालांकि उनके आगमन की तिथि को लेकर अभी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, जिसे लेकर जनपदवासियों में खासा उत्साह और इंतजार बना हुआ है। आयोजन समिति से जुड़े जिला ग्राम्य विकास अभिकरण के परियोजना निदेशक नागेंद्र मोहन राम त्रिपाठी ने कहा कि महोत्सव में फिल्मी रंगों के साथ–साथ भक्ति का भी विशेष संगम देखने को मिलेगा। राम आएंगे गीत से देशभर में चर्चित हुई भजन गायिका स्वाती मिश्रा भजन संध्या में अपनी प्रस्तुति देंगी। उनकी मधुर और भावपूर्ण गायकी से महोत्सव का माहौल भक्तिमय हो उठेगा और श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर नजर आएंगे। सिद्धार्थनगर महोत्सव केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जनपद की सांस्:तिक विरासत, लोक कला और सामाजिक एकता को मंच देने का सशक्त माध्यम है।

अरुण जैमनी, सुरेश अलबेला, प्रताप सिंह फौजदार, सर्वेश अस्थाना होगे मुख्य चेहरे

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर महोत्सव जो पहले कपिलवस्तु महोत्सव के नाम से जाना जाता था और अब सिद्धार्थनगर महोत्सव के नाम से जाना जा रहा है में कवि सम्मेलन हमेषा धुम मचाता रहा है लेकिन धीरे धीरे यह खत्म होता रहा पर इस बार फिर दो वर्ष के लंबे अंतराल के बाद एक बार फिर कवि सम्मेलन का आयोजन होने जा रहा है। इस बार कवि सम्मेलन में देश के चर्चित और बड़े हास्य–व्यंग्य कवियों की प्रस्तुति श्रोताओं को सुनने को मिलेगी। सिद्धार्थनगर महोत्सव का आयोजन 28 जनवरी से एक फरवरी तक शहर के बीएसए ग्राउंड में होगा। कवि सम्मेलन में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना चुके कवियों ने सहभागिता के लिए सहमति दे दी है। इनमें हास्य कवि अरुण जैमनी, सुरेश अलबेला, प्रताप सिंह फौजदार, सर्वेश अस्थाना और गौरी मिश्रा जैसे बड़े नाम शामिल हैं। ये कवि अपनी चर्चित रचनाओं के माध्यम से मंच से समाज, राजनीति और आम जनजीवन से जुड़े मुद्दों पर तीखा, सार्थक और स्वस्थ हास्य–व्यंग्य प्रस्तुत करेंगे।जिला ग्राम्य विकास अभिकरण के परियोजना निदेशक नागेंद्र मोहन राम त्रिपाठी ने बताया कि इस बार कवि सम्मेलन को और भव्य व यादगार बनाने की तैयारी की जा रही है, ताकि दर्शकों को हंसी के साथ विचार और साहित्यिक रस का भी अनुभव हो सके।

श्रेष्ठा योजना में पननी के तीन मेधावी छात्र चयनित

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर।भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता

मंत्रालय द्वारा संचालित श्रेष्टा योजना का उद्देश्य मेधावी लेकिन गरीब अनुसूचित जाति के छात्रों को देश के बेहतरीन निजी आवासीय स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर उनका सामाजिक–आर्थिक उत्थान करना और उन्हें बेहतर भविष्य के अवसर प्रदान करना है। जिसके लिए राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाता है आज घोषित प्रवेश परीक्षा परिणाम में लोटन क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय पननी के तीन बच्चे कुंदन ने आल इंडिया 848 रैंक, प्रभु गौतम ने आल इंडिया 1098 रैंक एवं सोनी ने 1969 रैंक अर्जित कर जनपद का मान बढ़ाया है । बच्चों के मार्गदर्शक राज्य पुरस्:त शिक्षक दया शंकर पाण्डेय ने बताया कि श्रेष्टा परीक्षा में कुल सौ प्रश्न पूछे जाते हैं जिनमे तीस गणित, बीस विज्ञान, पच्चीस सामाजिक विषय एवं पच्चीस सामान्य ज्ञान के होते हैं द्य चयनित बच्चों को देश के बेहतरीन आवासीय सुविधा वाले स्कूलों में निःशुल्क पढ़ने का अवसर प्राप्त होता है द्यइसके पूर्व भी पननी के दो बच्चे श्रेष्टा परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके हैं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी श्री शैलेश कुमार एवं खंड शिक्षा अधिकारी संतोष शुक्ला ने बच्चों एवं उनके शिक्षकों को शुभकामनाएं दी हैं।

खबर का असर : जोगिया लखनापार के किसानो के चेहरे पर आई मुस्कान, बंद हुआ कटान

दैनिक बुद्ध का संदेश/रवि जयसवाल
जोगिया। कई दिनो से किसानो के खेतो में पानी भरने से

दैनिक बुद्ध का संदेश | हिन्दी समाचार पत्र | सिद्धार्थनगर | शनिवार, 03 जनवरी 2026 | सम्पादक : राजेश शर्मा

किसानों के खेतों में नहर का पानी ओवरफ्लो भर रहा हैं गेंहू के फसल हो रहे बर्बाद

दैनिक बुद्ध का संदेश

जोगिया/सिद्धार्थ नगर। क्षेत्र में सरयू नहर का पानी किसानों की फसलों पर कहर बरपा रहा है। नहर में पानी ज्यादा आने से गेहूं के फसल खेतों मे पानी भर गया है और नहर मे जगह–जगह काट हो जाने से गेहूं की फसल डूब रही है। जिम्मेदार अफसर अनजान बने हुए हैं।जोगिया लखनापार माइनर में अत्यधिक पानी छोड़े जाने से किसानों के खेतों में पानी भर गया। क्षेत्र के जोगिया लखनापार होते हुए लखनापार माइनर को निकली है। नहर में पानी का ज्यादा होने से जगह–जगह कट जा रही है। ऐसे में किसानों की गेंहू फसल पानी से बर्बाद हो रही है। किसान दीवान की लगभग 10 बीघा फसल डूब गई है। वही लखनापार, जोगिया, नादेपार तक जाने वाली माइनर नहर समेत क्षेत्र के अन्य नहरों में भारी पानी आने से किसानों के फसल नुकसान होने की चिंता बढ़ गई है। किसान ओमकारनाथ यादव राजेश यादव, सुरेन्द्र दयाशंकर विश्वनाथ मौर्या मुकेश मौर्या लाला हरिहर, गामे , कमलेश महेंद्र, चीनी प्रजापति आदि लोग ने बताया कि नहर विभाग की लापरवाही से खेतों मे पानी भर रहा है इससे हम सभी किसानो का भारी नुकसान हो रहा है नहर मे पानी ज्यादा आने से खेतों मे भरना चालू हो गया है नहर भी फूल होकर चल रही है जब हम लोगो को पानी की जरूरत नही थी तब पानी नहर मे नही छोड़ा गया। हम लोगों ने पंपी सेट के माध्यम से सिंचाई कर दिया है उसके नहर में पानी छोड़ा गया। किसान महेंद्र ने बताया की नहर मे बहुत ज्यादा पानी छोड़ दिया गया है खेतो मे पानी भर रहा है इससे हम लोगों का बहुत ज्यादा नुकसान हो रहा है। किसान सोनू निवासी उदयपुर ने बताया कि नहर मे पानी बहुत आ रहा और नहर कही कटा हुआ है इस लिए खेतों मे पानी भर रहा है रात भर मे और ज्यादा खेतो मे पानी भर से फसलों का बहुत नुकसान हो जाएगा इस जल्द ही ठीक कराया जाए।

किसान जहां परेषान थे वही लगातार पानी बंद करने के लिये प्रषासन से गुहार लगा रहे थे जिसको लेकर दैनिक बुद्ध का संदेश समाचार पत्र ने प्रमुखता से खबर को चलाया था जिसको संज्ञान में लेकर सिंचाई विभाग ने तत्काल कटान को बंद कर दिया है आप को बता दे की क्षेत्र के जोगिया लखनापार नहर में ज्यादा पानी छोड़ने से किसानों के खेत में पानी पहुंच गया और जलभराव हो गया था। इससे फसल बर्बाद होने की आशंका बढ़ गई। विभाग ने नहर में जगह–जगह काटे हुए स्थानों को बोरे में मिट्टी भर कटान बंद कराई, जिससे किसानों को राहत मिली है।

भूमि पूजन एवं मोटर साइकिल रैली के साथ शुरू हुआ विराट हिन्दू सम्मेलन कार्यक्रम

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। आगामी 7 जनवरी को होने वाले विराट हिंदू सम्मेलन का आगाज रविवार को नगर पंचायत कपिलवस्तु क्षेत्र अंतर्गत बर्डपुर स्थित बुद्ध विद्यापीठ इंटर कॉलेज के प्रांगण में भूमि पूजन कर एवं मोटरसाइकिल रैली निकाल कर किया गया। रविवार को सुबह सर्वप्रथम बुद्ध विद्यापीठ इंटर कॉलेज प्रांगण में कार्यक्रम के अध्यक्ष राजेश शर्मा एवं विभाग सह कार्यवाह हरिश्चंद्र अग्रहरि की अगुवाई की भूमि पूजन किया गया जहाँ वेदाचार्य पंडित अम्बरीश ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि विधान पूर्वक भूमि पूजन कराया ।इसके पश्चात वहां से मोटरसाइकिल रैली निकालकर लोगों को हिंदू सम्मेलन में इकट्ठा होने को लेकर आह्वाहन किया गया। बाइक रैली बर्डपुर बुद्ध तिराहा होते हुए चौनपुर चौराहा पंडितपुर चौराहे से अहरौला होते हुए बजहा बाजार होते हुए वापस उसी प्रांगण में समाप्त हुआ। इस दौरान जगह–जगह चौराहों पर लोगों से 7 जनवरी को होने वाले विराट हिंदू सम्मेलन में सम्मिलित होने के लिए आग्रह भी किया गया। इस दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग सह कार्यवाहक हरिश्चंद्र अग्रहरि नितेश पाण्डेय अजय उपाध्याय अमित उपाध्याय फूलचंद्र जायसवाल राजकमल जायसवाल सबलू साहनी ओम प्रकाश यादव विजय जायसवाल प्रमोद यादव दिलीप कुमार गणेश जायसवाल राजकुमार चौधरी बीड़ी कन्नौजिया घनश्याम चौधरी विंदेश्वरी गणेश जायसवाल दीपक जायसवाल राजू जायसवाल रामसेवक चौरसिया जयप्रकाश गुप्ता पुनीत जायसवाल विवेक गोस्वामी अनिल उमर मनीष कुमार राकेश मिश्रा सतीश जायसवाल राजेंद्र विश्वकर्मा आशीष गिरी सत्यप्रकाश अर्जुन मद्देशिया अभिषेक मिश्र अमन मिश्र विनय वर्मा श्रवण दुबे विशाल यादव मोनू गोस्वामी सुनील जायसवाल रणजीत चौधरी सोनू पाठक घनश्याम गिरी कंचन वर्मा आशीष मिश्रा राकेश मिश्रा राजेन्द्र विश्वकर्मा संतोष अग्रहरि रामनिवास विश्वकर्मा राम औतर अनिल चौधरी रामपाल यादव शिवकरन पूर्णेश्वर मिश्र संजय जायसवाल आनंद कुमार अर्जुन शर्मा अवधेश मोदनवाल अर्जुन चौधरी प्रदीप गोस्वामी इंद्रजीत सहित तमाम कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

समाज सेवी व क्षेत्र पंचायत सदस्य ने जरुरतमंदों को बांटे कम्बल

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। बांसी ब्लाक के अन्तर्गत ग्राम पंचायत फूलपुर

मे कड़ाके की ठंड के मद्देनजर कम्बल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया ।इस पहल के तहत समाजसेवी व क्षेत्र पंचायत सदस्य अजय प्रताप सिंह ने गरीब व असहाय जरूरत मंद लोगो को कम्बल वितरित कर ठंड से राहत पहुंचाई। यह कम्बल वितरण कार्यक्रम समाजसेवी अजय प्रताप सिंह ने स्वयं की पहल पर आयोजित किया गया था। जिसका उद्देश्य गांव के असहाय जरूरत मंदों तक पहुंचाना था। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे। और लोगों ने इस मानवीय कार्य की सराहना की ।इस मौके पर समाज सेवी व क्षेत्र पंचायत सदस्य अजय प्रताप सिंह, बलवंत कुमार, हरीश कुमार, हीरालाल,राम चन्द्र, कमलेश , दूधनाथ, अर्जुन,बाबू राम सहित कई गणमान्य व्यक्ति लोग मौजूद रहें। उपस्थित लोगों ने कहां ठंड के मौसम मे ज़रूरत मंदो की मदद करना पुनीत कार्य ,जो समाज में अपसी सहयोग और भाईचारे का को मजबूत करता है।

नगर पालिका परिषद बांसी के लिपिक की सेवानिवृत्त पर दी गई विदाई

दैनिक बुद्ध का संदेश
बांसी ।नगर पालिका परिषद बांसी के लिपिक और सफाई प्रभारी राजकुमार पांडेय के सेवानिवृत्त होने पर नपा कार्यालय सभागार में शुक्रवार की शाम विदाई समारोह का आयोजन कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर नपा अध्यक्ष चमन आरा राईनी ने कहा कि राजकुमार पांडेय ने 38 वर्ष नगर पालिका की सेवा की। इन्होंने अपने दायित्व और कर्तव्य का निर्वाहन एक सच्चे कर्मयोगी की तरह पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ किया है। इसके बाद नपा अध्यक्ष चमन आरा राईनी, पूर्व नपा अध्यक्ष मो इदरीश पटवारी, ईओ जय प्रकाश यादव सहित सभी कर्मचारियों और सभासदों ने उन्हें माला पहनाकर और धार्मिक पुस्तक, अंगवस्त्र व उपहार देकर विदा किया। इस अवसर पर सभासद अरुण गुप्ता, ध्रुवचंद्र, बुद्धिराम प्रजापति, शाकिर अली, रवि अग्रहरी, श्याम बाबू आदि मौजूद रहे।

भाजपा नेता श्याम जायसवाल ने टूर्नामेंट चेयरमैन कप–2026 सीजन–2 का किया उदघाटन

दैनिक बुद्ध का संदेश
बढ़नी/सिद्धार्थनगर।विधानसभा–302 शोहरतगढ़ अन्तर्गत नगर पंचायत बढ़नी के मिनी स्टेडियम घरुवार रविवार को लेदर बाल क्रिकेट टूर्नामेंट चेयरमैन कप–2026 सीजन–2 का वरिष्ठ भाजपा नेता श्याम जायसवाल ने उद्घाटन कर शुभारम्भ किया। वहीं

क्रिकेट टूर्नामेंट में बैटिंग खेलकर टीम खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनके उज्ज्वल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएं प्रदान दिया। भाजपा नेता श्याम जायसवाल ने कहा कि आज युवा शक्ति को खेल के माध्यम से आगे बढ़ते देख मन गर्व से भर उठा। उन्होंने कहा कि लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्पष्ट सन्देश है कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि अनुशासन, नेतृत्व और राष्ट्रनिर्माण का सशक्त माध्यम है। इस प्रेरणादायक भव्य आयोजन हेतु श्याम जायसवाल ने युवा क्रिकेट टूर्नामेंट क्लब बढ़नी एवं चेयरमैन बढ़नी सुनील अग्रहरि को हृदय से बधाई एवं साधुवाद दिया। उन्होंने कहा कि खेलो, जीतो, सीखो और राष्ट्र को गौरवान्वित करो, यही युवा भारत की असली पहचान है। इस अवसर पर व्यापार मण्डल अध्यक्ष कन्हैया मित्तल, ध्रुव प्रसाद चतुर्वेदी, बृजेश कुमार, पंकज कुमार, प्रधान अरविन्द मौर्या, कन्हैया, राकेश कुमार, शैलेश उपाध्याय, चन्द्रेश कुमार सहित तमाम सम्मानित क्षेत्रवासी उपस्थित रहें।

आर्य वीर दल शस्त्र का प्रयोग शास्त्र के अनुसार ही करता है–कृत्तिका ज्योत्सना

दैनिक बुद्ध का संदेश
बस्ती। आर्य समाज और आर्य वीर दल बस्ती द्वारा स्वामी दयानन्द पूर्व माध्यमिक विद्यालय सुरतीहट्टा में आयोजित चरित्र निर्माण शिविर के समापन के अवसर पर आर्य वीरांगनाओं द्वारा प्रशिक्षिकाओं राधा आर्य और शालू आर्य के सानिध्य में आत्मरक्षार्थ

लाठी, जूडो कराटे, त्रिदेश मुष्टि प्रहार, अर्द्धमुष्टि प्रहार, हस्ततल प्रहार आदि का प्रदर्शन कर लोगों को वीर नारियों का दर्शन कराया। योगासनों एवं व्यायामों के माध्यम से बच्चों ने विभिन्न प्रकार के स्तूप, मानव पुल एवं हिमालय सहित दर्जन भर .श्यों का प्रदर्शन किया। शिविर में .ष्टि मोदनवाल, अर्पिता और भव्या यादव को क्रमशः प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं आराध्या गुप्ता को विशिष्ट स्थान प्राप्त किया। शिविर इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित जिलाधिकारी .त्तिका ज्योत्सना ने कहा कि इस प्रशिक्षण से प्राप्त शारीरिक, मानसिक और आत्मिक ऊर्जा को अपनी उन्नति के लगाकर बेटियां राष्ट्र के लिए अपना सर्वोत्तम प्रदान करेंगी ऐसा मुझे विश्वास है। आर्य वीरांगना दल निश्चित रूप से ऐसी ही पौध तैयार कर रहा है। आर्य वीर दल शस्त्र का प्रयोग शास्त्र के अनुसार ही करता है इसके माध्यम से हमारे देश का युवा अपने राष्ट्र को निरन्तर रक्षित करता रहता है। विशिष्ट अतिथि डॉ रीना पाठक प्राचार्या शिवर्ष किसान पीजी कॉलेज बस्ती ने कहा कि क्रान्ति केवल देश की सुरक्षा के लिए ही नहीं होती बल्कि विचारों की सुरक्षा के लिए भी करनी होती है जो एक संस्कारित युवा शक्ति ही कर सकती है। बालिकाएं राष्ट्र की अमूल्य निधि होती हैं इनका संरक्षण माता पिता और आचार्य के माध्यम से होता है। उत्तम संस्कारवान माता–पिता ही अपने बच्चों को सक्षम गुरू के हाथों में सौंप पाते है जिससे उनका अतुलनीय निर्माण हो पाता है। इससे पूर्व अतिथियों को प्रशिक्षिका राधा और शालू आर्य द्वारा परेड निरीक्षण कराया गया तथा मार्च पास करते हुए आर्य वीरांगनाओं को सलामी दी गयी। अन्य प्रमुख अतिथियों का तिलक और ओम पट्टिका से सम्मान किया गया। कार्यक्रम का प्रारम्भ ईश वन्दना और दीप प्रज्वलन से किया गया। इसके पश्चात प्रशिक्षिकाओं के नेतृत्व में आर्य वीरांगनओं द्वारा प्रस्तुत संगीतमय सर्वांग सुन्दर व्यायाम, सूर्य नमस्कार, भूमि नमस्कार देखकर उपस्थित अभिभावक एवं अन्य गणमान्य गदगद हो रहे थे वहीं युवा नई चेतना प्राप्त कर रहे थे। कार्यक्रम का संचालन करते हुए आदित्य नारायण गिरि ने कहा कि आज घर–घर मेंआर्य वीरों की आवश्यकता है। ओम प्रकाश आर्य ने कहा कि आर्य वीर अपने देश के साथ कभी धोखा नहीं कर सकता समाज के साथ गद्दारी नहीं कर सकता। इतिहास साक्षी है कि जब–जब राष्ट्र पर कोई संकट आया है तब–तब आर्य वीरों ने अपने प्राणों की बाजी लगाकर देश को बचाया है। योग प्रशिक्षिका संगीता यादव ने अपेक्षा की कि इस शिविर को ब्लाक स्तर के विद्यालयों में गैर आवासीय रूप से लगाया जाय। तभी गॉव–गॉव से चरित्रवान नागरिक निकल सकेंगे। शिविराध्यक्ष ओम प्रकाश आर्य ने कहा कि बच्चों को उनकी रुचि के अनुसार ही बनने दें साथ ही अभिभावकों को अपने बच्चों को आर्य वीर दल के चरित्र निर्माण शिविर में अवश्य भेजें तभी उनका निर्माण सम्भव है। आर्य वीरांगना दल की संरक्षिका डॉ कमलेश पाण्डेय ने कहा की नारी शक्ति अपने में राष्ट्र निर्माण की शक्ति रखती है। हमारी बेटियों में उस शक्ति के जागरण के लिए पूरे जिले में ऐसे शिविरों का आयोजन किया जाएगा। जिससे चरित्रवान व सशक्त भारत का निर्माण किया जा सके। हरिहर मुनि ने बताया कि बेटियों को शक्तिमान व सशक्त बनाने के लिए संगठन हर सम्भव प्रयास करेगा। कार्यक्रम में सम्मिलित सभी अतिथियों को वैदिक साहित्य भेंट किया गया। इस अवसर पर दिनेश मौर्य, नीतीश कुमार , अरविन्द श्रीवास्तव, अनूप कुमार त्रिपाठी, शिवांगी, ज्योति पूजा साहनी, अंशिका पाण्डेय स्वप्नल महक अनीशा मिश्रा,संगीता यादव, डॉ नवीन सिंह, भवानी प्रसाद शुक्ल, हरिकेश जी, हरिहर मुनि वानप्रस्थी, देवव्रत आर्य, प्रमोद गुप्ता, राम मोहन पाल, संतोष पाण्डेय, रविन्द्र पाल, मनु गोयल, बृहस्पति पाण्डेय, सूर्य कुमार शुक्ल, सुनील गुप्ता अशोक मिश्र, उदयभान आर्य, आयुष श्रीवास्तव, गणेश आर्य, बिंदेश यादव, गोपेश्वर त्रिपाठी आदि ने भी इस कार्यक्रम की सराहना की।

छह जनवरी से चलेगा विशेष पुनरीक्षण अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में छह जनवरी से छह फरवरी तक जनपद के समस्त मतदेय स्थलों पर विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान चलाया जाएगा। यह जानकारी उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं एडीएम गौरव श्रीवास्तव ने दी है। उन्होंने बताया कि मतदाता सूची में अपने नामों का सत्यापन कराने और ऐसे अर्ह व्यक्ति जिनका नाम मतदाता सूची में सम्मिलित नहीं किया गया है, वे अपना नाम सम्मिलित करा सकते हैं।

खेसरहा पुलिस ने चलाया स्वच्छता अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश
खेसरहा। डॉ अभिषेक महाजन पुलिस अधीक्षक जनपद सिद्धार्थनगर के आदेश के क्रम में एवं प्रसान्त कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक महोदय के निर्देशन में व रोहनी यादव क्षेत्राधिकारी बांसी की अध्यक्षता में व अनूप कुमार मिश्र थानाध्यक्ष महोदय द्वारा आज

रविवार को कस्बा बेलौहा स्थित लोकेश्वर महादेव मंदिर में साफ सफाई अभियान चला कर साफ सफाई कराया गया एवं प्लास्टिक निषेध व स्वच्छता के आवश्यक दिशा–निर्देश दिये गये। उपरोक्त स्वच्छता कार्यक्रम में थाना स्थानीय के सभी अधिकारी/कर्मचारी का सम्मिलित रहे।

सम्पादकीय

कालेज छात्रा का वृत्तांत खुद कफन से निकल कर बता रहा है कि इस मौत की वजह हमारी व्यवस्था से जुड़ी है। पहली व्यवस्था समाज की □ष्टि में हमें पतित कर रही है, दूसरी शिक्षण की गलियों का पतन कर रही है, तो तीसरी प्रदेश की कानून व्यवस्था से बचें या खुद को बचाएं के बीच संघर्ष कर रही है। चारों तरफ जब अन्याय खड़ा हो, तो हम जंगल में खुद को किस भेडिये से बचाएं...

कालेज के सान्निध्य में मौत

दीवारें चीख रही हैं, एक कालेज की स्याह मुट्ठी और पुलिस के टूटे हाथों में गुनाह फिसल गया। एक शार्गिद की शवयात्रा में धर्मशाला कालेज का जुलूस निकल गया। छात्रा की मौत के सौ बहाने ढूंढे जाएंगे, लेकिन सारे दर्पण आकर टूट रहे हैं। आई होंगी कई शिकायतें कालेज प्रशासन के पास और पुलिस के पास भी एक बेटी की फरियाद क्यों ढह गई, कोई नहीं जानता। मौत खुद बोली है, तो सोशल मीडिया में तैर रहीं वीडियो में हर आंख के आंसू बेचौन हैं। यह एक छोटा किस्सा नहीं, छात्रा के जीवन का विकराल अंत है। हजारों प्रश्न और अब हजारों वकील भी होंगे, लेकिन इस जुर्म के सामाजिक कारण जिंदा हैं। क्या कालेज में जातीय प्रताडना का मनहूस साया दौड़ता रहा या कोई अध्यापक अपनी मर्यादा भूल गया। क्या रैगिंग की कोई क्लास पूरे परिसर में चल रही थी। बीस दिसंबर की ऑनलाइन शिकायत पर पुलिस का मसखरापन ईमानदार था या हम मान लें कि उस दौरान तो पुलिस ग्राउंड की महफिल में अपराध दर्ज करना हराम था। हम नहीं जानते कि किस सत्य के आधार पर एक बेटी के परिवार को चारों तरफ रावणों की लंका दिखाई दे रही है, लेकिन मौत आने से पहले जो बयान लडकी ने अपनी जुबां से दिए, उन्हें ठुकराने की कोई वजह दिखाई नहीं देती। यहां सबसे बड़ी ताकत से सोशल मीडिया तफतीश कर रहा है, इसलिए अब केस भी दर्ज हो गया और मुद्दा सडक से विपक्ष का हो गया। जीवन के असहाय पन्ने अगर कालेज में बिखरे या कानून की नजर में उजड़े, तो न समाज का घर आबाद है और न ही देश का सही हाल है। एक छात्रा का वर्तमान अगर कालेज के सान्निध्य में असुरक्षित है या पूरा परिसर बीहड़ बन कर किसी बच्चे को मानसिक संताप की अति से गुजार दे, तो हमारा हिसाब न्याय नहीं। कालेज हाथ धो के बैठ सकता है कि उसकी आंखों ने कुछ नहीं देखा, उसके कानों ने कुछ नहीं सुना, लेकिन छात्रा का व्यक्तित्व इसकी राहों से गुजरा है, इसकी निगाहों से गुजरा है। अब जो आरोप सामने आए हैं, उनके आधार पर जुर्म की फेहरिस्त लंबी हो रही है, अपराध के संज्ञान में धाराएं सख्त हो रही हैं। क्या कालेज की गलियां जातिवाचक रहीं। क्या रैगिंग में संलिप्त छात्राएं सुरक्षा में रहीं और क्या कोई अध्यापक अपनी नीच हरकतों से कालेज का ईमान बेचता रहा। आखिर हो क्या रहा और होता क्या रहा। बेटी की इज्जत को पालने से डर है, तेरे हाथों में मौत सी गंध है। पिछले साल को हम प्राकृतिक आपदाओं के कारण कोसते रहे, लेकिन एक आपदा कालेज परिसर में संगठित अपराध कर रही थी। अपनी तरह से दिल हिला देने वाले इस घटनाक्रम के कई सिरे हैं और कई नासूर दिखाई देने लगे हैं। यहां माननीय विकास कुपित है और साक्षरता दर पाषाण काल की कंदराओं में ध्वस्त है। बेटी की वीडियो ही बेटी की गवाही दे रही है। इसलिए फैसलों की कीमत से पहले ही उसने मौत को गले लगाया ताकि उसकी तरह किसी अन्य बेटी को अपनी इज्जत के लिए शहादत न देनी पड़े। अब चौराहों पर फैसले आएंगे, सियासत पर फैसले आएंगे, समाज भी फैसले देगा, जबकि पुलिस कानून के फैसले पर मेहरबान हो जाएगी, लेकिन इस बेटी की मौत नए संबोधन करती रहेगी। अब अगर सजा हो भी जाए तो क्या होगा, इस सफर में एक बेटी की रूह को गिला रहेगा। कालेज छात्रा का वृत्तांत खुद कफन से निकल कर बता रहा है कि इस मौत की वजह हमारी व्यवस्था से जुड़ी है। पहली व्यवस्था समाज की दृष्टि में हमें पतित कर रही है, दूसरी शिक्षण की गलियों का पतन कर रही है, तो तीसरी प्रदेश की कानून व्यवस्था से बचें या खुद को बचाएं के बीच संघर्ष कर रही है। चारों तरफ जब अन्याय खड़ा हो, तो हम जंगल में खुद को किस भेडिये से बचाएं। धर्मशाला की छात्रा की मौत में कई हाथ रंगे नजर आ रहे हैं, फिर भी हम शरीफजादे कहां ढूंढ पाएंगे इस जुल्म की कोई एक कहानी। न्याय की दहलीज पर पहुंची एक मौत अपनी ही वीडियो में दे रही गवाही। देखें हम इस स्थिति से उबर कर किसका दामन पाक और किसके दामन में छेद ढूंढ पाते हैं।

टीएपीएस योजना से शिक्षक कर्मचारी होंगे सुरक्षित

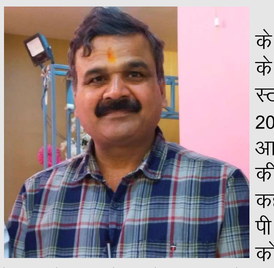

शिक्षक राष्ट्र निर्माता होते हैं तो कर्मचारी राष्ट्र के चहुंमुखी विकास के खाके को खींचते हैं। इसी के मद्देनजर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने सरकारी कर्मचारियों और शिक्षकों की 20 साल पुरानी मांग पूरी करते हुए "तमिलनाडु आश्वस्त पेंशन योजना (टीएपीएस)" की घोषणा की है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने स्टालिन ने कहा कि यह नई योजना पुरानी पेंशन योजना (ओ पी एस) जैसे लाभ प्रदान करेगी। सरकारी कर्मचारियों को अंतिम वेतन का पचास प्रतिशत सुनिश्चित पेंशन के रूप में मिलेगा। इसके साथ ही कर्मचारियों के दस प्रतिशत योगदान के अलावा, पेंशन फंड के लिए आवश्यक पूरा अतिरिक्त योगदान राज्य सरकार देगी। पचास प्रतिशत सुनिश्चित पेंशन पाने वाले पेंशनरों को हर छह महीने में महंगाई भत्ता (डीए) वृद्धि, सरकारी कर्मचारियों के समान ही मिलेगी।पेंशनर की मृत्यु पर नामित व्यक्ति को साठ प्रतिशत पेंशन राशि पारिवारिक पेंशन के रूप में दी जाएगी। सेवा के दौरान मृत्यु या सेवानिवृत्ति के समय मृत्यु की स्थिति में, सेवा अवधि के अनुसार अधिकतम रुपए पचीस लाख तक मृत्यु ग्रेच्युटी दी जाएगी। नई योजना लागू होने के बाद, जो कर्मचारी योग्य सेवा अवधि पूरी नहीं कर पाएंगे, उन्हें भी न्यूनतम पेंशन दी जाएगी। योजना लागू होने से पहले कॉन्ट्रिब्यूटरी पेंशन स्कीम के तहत भर्ती और सेवानिवृत्त कर्मचारियों को विशेष अनुकंपा पेंशन प्रदान की जाएगी। गौरतलब है कि टीएपी एस लागू करने के लिए राज्य सरकार को पेंशन फंड में अतिरिक्त रूपये तेरह हजार करोड़ देने होंगे। इसके अलावा, हर साल सरकार की ओर से लगभग रूपए ग्यारह हजार करोड़ का व्यय होगा, जो कर्मचारियों के वेतन के साथ आगे बढ़ेगा। वित्तीय दबाव के बावजूद, मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार पूरा खर्च वहन करेगी ताकि कर्मचारियों और शिक्षकों के हित सुरक्षित रहें। मुख्यमंत्री ने कर्मचारियों और शिक्षकों से योजना के सफल क्रियान्वयन में पूरा सहयोग करने की अपील की। तमिलनाडु राज्य सरकार का दावा है कि टी ए पी एस दूरदर्शी और व्यावहारिक है और इससे कर्मचारियों, शिक्षकों तथा उनके परिवारों का भविष्य सुरक्षित होगा। विभिन्न कर्मचारी संगठनों ने योजना का स्वागत किया और इसे अपनी तेईस साल पुरानी लड़ाई की जीत बताया।मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर कहा कि यह घोषणा सरकारी कर्मचारियों के लिए नववर्ष और पोंगल का बड़ा तोहफा है। ध्यातव्य है कि पूरे देश में एन पी एस और यू पी एस का विकल्प लागू है। साथ ही कुछ राज्य ओ पी एस का विकल्प भी अपने राज्य के कर्मचारियों और शिक्षकों को प्रदान करते हैं। ओ पी एस अधिकारियों, कर्मचारियों और शिक्षकों को सुरक्षित सेवा शर्तों को प्रदान करता है। इसीलिए लंबे समय से कर्मचारी और शिक्षक संगठन ओ पी एस की प्राप्ति हेतु मांग करते रहे हैं।

लेखक विनय कांत मिश्र/दैनिक बुद्ध का संदेश

एंजेल चकमा की मौत, देश के लिए सबक

सालों से इसे रोजाना पोषित किया जा रहा है– खासकर हमारी युवा पीढ़ी को– जहरीले कंटेंट और गैरजिम्मेदार बातों से। और सत्ता में बैठी बीजेपी की नफरत उगलने वाली नेतागिरी इसे सामान्य बना रही है। हम प्यार और विविधता का देश हैं। हमें ऐसा मरा हुआ समाज नहीं बनना चाहिए जो अपने साथी भारतीयों पर हमले होते देखकर मुँह फेर ले। हमें सोचना होगा और सामना करना होगा कि हम अपने देश को क्या बनने दे रहे हैं...

उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में त्रिपुरा से आए छात्र एंजेल चकमा की नस्लवादी नफरत में हत्या कर दी गई। इस घटना पर अब उत्तराखंड से लेकर त्रिपुरा तक विरोध–प्रदर्शन हो रहे हैं, लोग नाराजगी व्यक्त कर रहे हैं। पूर्वोत्तर के छात्र अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। वहीं अब भाजपा के नेता भी इस घटना को दुखद और चिंतनीय बता रहे हैं। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को पूर्वोत्तर के लोगों की सुरक्षा और संरक्षण सुनिश्चित करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय समाज में नस्लवाद और भेदभाव के लिए कोई जगह नहीं है। किसी भी जाति, नस्ल या धर्म के लोगों का मजाक नहीं उड़ाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल पूर्वोत्तर के लोग ही नहीं, बल्कि सभी को इस तरह की घटनाओं से दुखी होना चाहिए, क्योंकि यह किसी के साथ भी हो सकता है।

एक बेकसूर नागरिक को केवल उसके चेहरे–मोहरे के कारण मार देना दुख और नाराजगी की बात तो है ही, उससे भी अधिक गहरी चिंता की बात है कि एक समाज के तौर पर हम पागलपन के किस दौर में पहुंचा दिए गए हैं। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोगों को कपड़ों से पहचान करने के लिए उकसाया तो अब उससे एक कदम आगे बढ़ते हुए लोग कपड़ों के साथ–साथ खान–पान, नाम, नैन–नक्श से भी पहचान करने लगे हैं कि कौन हमारे जैसा है और कौन नहीं। जो हमारी तरह नहीं है, बहुसंख्यकों में शामिल नहीं है, उसे अल्पसंख्यक भी न रहने दिया जाए, बल्कि उसका अस्तित्व ही मिटा दिया जाए, इसी उन्मादी सोच का शिकार देश हो चुका है। भाजपा ने सत्ता पाने और उस पर जमे रहने के लिए लोगों में जो फूट डालनी शुरु की है, अब उसकी पराकाष्ठा देखी जा सकती है। किरण रिजीजू को अब अगर लग रहा है कि जाति, नस्ल या धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं होना चाहिए, तो ऐसा ही विरोध उन्हें उस वक्त भी करना था जब सैंटा क्लॉज की टोपी पहनने या बेचने वालों को प्रताड़ित किया गया। जब जन्मदिन के जश्न में बजरंग दल के गुंडे केवल इसलिए घुसकर मारपीट करने लगे, क्योंकि उसमें अल्पसंख्यक लोग भी थे। अगर अखलाक की लिंचिंग के बाद ही किरण रिजीजू भीड़ की हिंसा के खिलाफ बोलते या झारखंड में मॉब लिंचिंग के आरोपियों को जब भाजपा नेता जयंत सिन्हा माला पहना रहे थे, तब उनकी मुखालफत करते, तब तो उनकी चिंता जायज लगती। लेकिन अभी तो ऐसा लग रहा है कि पूर्वोत्तर में भाजपा की स्थिति कमजोर न हो जाए, इस डर से किरण रिजीजू पीड़ित के पक्ष में बोल रहे हैं।

गनीमत यही है कि वो बोल रहे हैं, वर्ना देश के प्रधानमंत्री और गृहमंत्री को तो शायद ऐसी घटनाएं संबोधित करने लायक लगती ही नहीं हैं। वैसे भी इस समय उनका पूरा ध्यान इस समय बंगाल चुनाव पर हैं, जहां से घुसपैठियों को चुन–चुन कर निकालने की प्रतिबद्धता मोदी–शाह दिखा रहे हैं। हालांकि वे अब तक ये नहीं बता पाए हैं कि इससे पहले झारखंड, दिल्ली और बिहार में उन्हें कितने घुसपैठिए मिले हैं और उन पर क्या कार्रवाई की गई है। घुसपैठिए का डर बढ़ाकर भी देश में अल्पसंख्यकों और बांग्लाभाषियों के लिए खतरे बढ़ा दिए गए हैं। मजदूरी या अन्य कार्यों में रत बांग्लाभाषियों को कई बार घुसपैठिए होने के नाम पर प्रताड़ित होना पड़ा है। इस सिलसिले में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात कर चिंता जाहिर की है कि प्रवासी बंगाली मजदूरों के साथ हो रहे भेदभाव पर कार्रवाई की जाए।

तो किरण रिजीजू मुंहजुबानी जो चिंता जतला रहे हैं, उसे अपनी पार्टी के भीतर उन्होंने व्यक्त किया है या नहीं, ये भी बता देना चाहिए। वैसे उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 29 तारीख को पीड़ित के पिता से फोन पर बात की और आश्वासन दिया कि कोई बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने त्रिपुरा की भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री माणिक साहा से भी फोन पर बात की। पीड़ित के पिता से बात करते हुए मुख्यमंत्री धामी ने बाकायदा वीडियो बनवाया और उसे सोशल मीडिया पर भी पोस्ट किया। सवाल ये है कि क्या भाजपा के लोगों में शर्म और संवेदनशीलता का भाव रंचमात्र भी बचा है या नहीं। क्योंकि 9 तारीख की घटना पर प्रतिक्रिया देने में मुख्यमंत्री को पूरे 20 दिन लग गए। जबकि घटना उसी देहरादून में हुई, जहां वो रहते हैं। क्या मुख्यमंत्री को यह खबर ही नहीं थी कि राजधानी में एंजेल और उनके छोटे भाई माइकल को बीच बाजार में श्चीनीश, शचिंकीश और श्मोमोश जैसे अपमानजनक शब्द कहकर छेड़ा गया और विरोध करने पर उन्हें इतनी बुरी तरह मारा गया कि उनकी जान ही चली गई। अगर मुख्यमंत्री इस घटना से अनजान थे तो फिर यह माना जा सकता है कि सरकार का सूचना तंत्र बेहद कमजोर है और उन्हें इस पद पर रहने का अधिकार नहीं है। और अगर उन्हें इस नस्लीय हिंसा की जानकारी थी तो फिर इतने दिन चुप्पी क्यों लगाई गई, यह भी विचारणीय है। राहुल गांधी ने सही लिखा है कि नफरत रातोंरात नहीं पैदा होती।

राहुल–खड़गे को सावधान होने की जरूरत

14 दिसंबर को रामलीला मैदान में कांग्रेस की जमीनी ताकत भाजपा ने देखी है और अब 5 जनवरी से मनरेगा बचाने के लिए फिर से कांग्रेस आंदोलन की शुरुआत कर रही है। इन सबसे भाजपा को यह समझ आ रहा है कि कांग्रेस को दबाना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन भी है। क्योंकि मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी दोनों ने कहा है कि कांग्रेस सत्ता की नहीं, विचारधारा...

देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस ने 28 दिसंबर को अपनी स्थापना के 140 साल पूरे किए। एक संगठन, एक राजनैतिक दल के तौर पर तमाम उतार–चढ़ावों के बीच इतना लंबा सफर तय करना ही अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। कांग्रेस ने अंग्रेजी हुकूमत को खत्म करने के लिए लंबी लड़ाई लड़ी। जिसमें वक्त के अनुसार तरीके बदलते रहे। कांग्रेस के भीतर अलग विचारधाराएं पनपीं, जिनके कारण कई बार पार्टी में टूट हुई। कांग्रेस से निकले लोगों ने अपने नए दल बनाए, कभी उन दलों का कांग्रेस में विलय हुआ, कभी वे साथ चलते रहे। कांग्रेस ने कई बार भितरघात भी सहे। लेकिन इन सबके बीच कभी भी अपनी मूल विचारधारा को नहीं छोड़ा, जो असल में भारत की उदार और समावेशी संस्कृति से निकली है। जिसमें किसी भी किस्म के भेदभाव, संकीर्णता, सांप्रदायिकता, नफरत और हिंसा के लिए जगह नहीं है। उच्च नैतिक आदर्शों के साथ अस्तित्व को कायम रखना आसान नहीं था, लेकिन कांग्रेस इस कसौटी पर खरी उतरती आई है। स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बिल्कुल सही कहा कि जो लोग यह कहते हैं कि कांग्रेस खत्म हो चुकी है, उन्हें साफ संदेश है कि पार्टी भले सत्ता में न हो, लेकिन उसकी रीढ़ सीधी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने न कभी संविधान से समझौता किया, न धर्मनिरपेक्षता से और न ही लोगों के अधिकारों से। श्री खड़गे ने साफ कहा कि कांग्रेस सिर्फ एक पार्टी नहीं, बल्कि एक विचारधारा है, जो कभी खत्म नहीं हो सकती। आज जब संविधान और लोकतंत्र खतरे में हैं,

कांग्रेस उसी भारत के लिए संघर्ष जारी रखेगी, जिसका सपना स्वतंत्रता सेनानियों ने देखा था। यह लड़ाई सत्ता के लिए नहीं, बल्कि देश की आत्मा और संविधान को बचाने की है।

इसी तरह राहुल गांधी ने भी कहा कि कांग्रेस हमेशा समाज के कमजोर, वंचित और मेहनतकश वर्ग के साथ खड़ी रही है और आगे भी उनके अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष करती रहेगी। कांग्रेस का संकल्प नफरत, अन्याय और तानाशाही के खिलाफ सत्य, साहस और संविधान की रक्षा की लड़ाई को और मजबूत करने का है। यह लड़ाई सत्ता के लिए नहीं, बल्कि देश के लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान को बचाने के लिए है। मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने संविधान बचाने के लिए कांग्रेस के संघर्ष को जारी रखने का जो आह्वान किया है, उसमें एक तरफ कांग्रेस कार्यकर्ताओं को निराशा से बाहर निकालने और लंबी लड़ाई लड़ने के लिए तैयार किया गया है, वहीं दिग्विजय सिंह जैसे वरिष्ठ नेताओं को इशारे से जवाब भी दिया गया है कि सत्ता रहे न रहे लेकिन रीढ़ सीधी होनी चाहिए यानी आत्मसम्मान बना रहना चाहिए, जिसमें कांग्रेस अब तक सफल रही है। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने 27 दिसंबर को लालकृष्ण आडवानी और नरेन्द्र मोदी की एक पुरानी तस्वीर शेयर करते हुए भाजपा और संघ के संगठन की तारीफ की, कि जमीन पर बैठने वाला एक कार्यकर्ता भी मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री बन गया। इस तस्वीर में आडवानी सोफे पर बैठे हैं और नरेन्द्र मोदी जमीन पर। दिग्विजय सिंह की पोस्ट पर सवाल उठने लगे कि क्या श्री सिंह अब भाजपा में जाने की तैयारी कर रहे हैं या ये राज्यसभा में फिर से आने की भूमिका बांधी गई है। दिग्विजय सिंह ने क्या राहुल गांधी और कांग्रेस में गांधी परिवार के रसूख पर हमला बोला है, ये कयास भी लगे। वहीं कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने दिग्विजय सिंह का समर्थन किया है और कहा श्जी हां मैं भी यही चाहता हूं कि पार्टी संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया जाएश। हमारा 140 साल का इतिहास है, और हम इससे बहुत कुछ सीख सकते हैं। हम खुद से भी बहुत कुछ सीख सकते हैं। सब जानते हैं कि कांग्रेस में जहां अध्यक्ष का बाकायदा चुनाव होता है, वहीं भाजपा में अंदरूनी लोकतंत्र नाम की कोई चीज नहीं है। वहां पहले से टू मच डेमोक्रेसी की पहचान करते हुए एक किस्म की तानाशाही बनी हुई है। पार्टी का संविधान कुछ भी कहे, भाजपा में आज की तारीख में वही होता है, जो नरेन्द्र मोदी और अमित शाह तय करते हैं। चाहे दिग्गज नेताओं को एक झटके में किनारे करते हुए कम पहचाने चेहरों में से किसी को मुख्यमंत्री बनाना हो या जब मन चाहे मुख्यमंत्री समेत पूरी केबिनेट बदलना हो या रातों रात किसी को कार्यकारी अध्यक्ष बनाना हो और अध्यक्ष का कार्यकाल खत्म होने के बावजूद उसे एक्सटेंशन पर एक्सटेंशन देना हो, मोदी–शाह की जोड़ी ही सारे फैसले लेती है और इसमें किसी जमीन पर बैठने वाले कार्यकर्ता की बात तो दूर, कई सालों से सांसद और विधायक बनने वाले वरिष्ठ नेता भी हूं चूं नहीं कर पाते। जिन लालकृष्ण आडवानी के सामने नरेन्द्र मोदी जमीन पर बैठे थे, उन्हीं आडवानी को कैसे कई मौकों पर मोदी ने बेइज्जत किया है, ये भी दिग्विजय सिंह और शशि थरूर ने देखा ही है। फिर भी उन्हें भाजपा और संघ से प्रेरित होना हो, तो इसमें अब मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी को सावधान होने की जरूरत है। भाजपा तो मोदी सरकार के पहले कार्यकाल से कांग्रेस मुक्त भारत बनाने की बात कहती आई। उसमें सफल नहीं हो पाई तो कांग्रेस में बड़ी सेंध लगाकर उसके कई नेताओं को भगवा गमछा ओढ़ा दिया। राहुल गांधी ने तब भी कहा कि अच्छा है हमारे यहां सफाई हो गई। अभी लोकसभा हारने के बाद महाराष्ट्र, हरियाणा और बिहार भी कांग्रेस हारी, लेकिन फिर भी उतने ही दम से कांग्रेस भाजपा को मनरेगा खत्म करने से लेकर अरावली में खनन और एसआईआर की गड़बड़ियों पर चुनौती दे रही है।

मादुरो की गिरफ्तारी और कराकास पर हमला, ट्रंप के एक्शन के पीछे की 3 बड़ी वजहें

शनिवार की सुबह (स्थानीय समयानुसार) वेनेजुएला की राजधानी कराकास के लिए एक भयानक सपना साबित हुई। पूरा शहर तेज धमाकों और आसमान में नीची उड़ान भरते लड़ाकू विमानों की गूंज से दहल उठा। इससे पहले कि दुनिया इस हलचल का मतलब समझ पाती, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक सनसनीखेज दावा कर सबको चौंका दिया। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर घोषणा की कि अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला में एक श्बड़ा हमलाश किया है और वहां के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को उनकी पत्नी के साथ गिरफ्तार कर देश से बाहर ले जाया गया है।

क्या हुआ?

इस पूरे ऑपरेशन को बेहद गोपनीय तरीके से अंजाम दिया गया। चश्मदीदों के मुताबिक, कराकास में सैन्य ठिकानों के आसपास की बिजली काट दी गई थी और आसमान में धुएं के गुबार साफ देखे जा सकते थे।

डोनाल्ड ट्रंप ने क्या कहा?

ट्रंप ने बताया कि यह अमेरिकी सेना और कानून प्रवर्तन एजेंसियों का एक साझा मिशन था। उन्होंने इस ऑपरेशन की सफलता के लिए सैनिकों की तारीफ की और कहा कि इसकी पूरी जानकारी जल्द ही एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी जाएगी।

अमेरिका ने हमला क्यों किया?: ट्रंप प्रशासन ने इस हमले के पीछे तीन मुख्य कारण बताए हैं।

नारको–टेररिज्म (ड्रग तस्करी): ट्रंप का आरोप है कि मादुरो खुद एक ड्रग कार्टेल चलाते हैं और अमेरिका में कोकीन और फेंटानिल जैसी नशीली दवाएं भेजने के लिए जिम्मेदार हैं।

प्रवासन: ट्रंप ने बिना सबूत दावा किया कि मादुरो अपनी जेलों और पागलखानों को खाली कर अपराधियों को जबरन अमेरिका भेज रहे हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षा: अमेरिका का मानना है कि मादुरो सरकार क्षेत्र की शांति के लिए खतरा है।

कराकास का पक्ष

दूसरी ओर, वेनेजुएला की सरकार ने इन आरोपों को पूरी तरह गलत और बेबुनियाद बताया है। कराकास का कहना है कि अमेरिका असल में उनके विशाल तेल संसाधनों पर कब्जा करना चाहता है और श्ड्रग्स के खिलाफ जंगश को सिर्फ एक हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहा है। सरकार ने इसे देश की संप्रभुता पर सीधा हमला बताते हुए अपने समर्थकों से एकजुट होने की अपील की है। इलाके में पहले से ही अमेरिकी युद्धपोत श्गेराल्ड आर फोर्ड की मौजूदगी ने तनाव को चरम पर पहुंचा दिया था।

आगे क्या?: फिलहाल वेनेजुएला में स्थिति बेहद अनिश्चित बनी हुई है। पूरी दुनिया इस बात को लेकर चिंतित है कि क्या अमेरिका का यह कदम वहां लोकतंत्र की बहाली करेगा या फिर यह दक्षिण अमेरिका में एक लंबे और खूनी संघर्ष की शुरुआत है। आने वाले कुछ दिन वेनेजुएला और वैश्विक राजनीति के लिए बहुत महत्वपूर्ण होने वाले हैं।

डेल्सी रोड्रिग्ज बनीं अंतरिम राष्ट्रपति, ट्रंप ने वेनेजुएला को अमेरिकी नियंत्रण में लिया

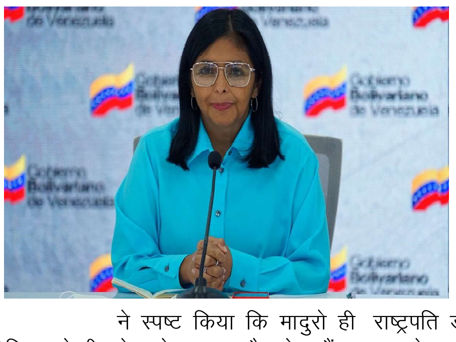

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस की गिरफ्तारी के बाद देश में सियासी संकट गहरा गया है। वेनेजुएला की अदालत ने 56 वर्षीय डेल्सी रोड्रिग्ज को देश का अंतरिम राष्ट्रपति नियुक्त करने का आदेश दिया है।

रोड्रिग्ज ने अमेरिका को दी चेतावनी

पद संभालने से पहले, रोड्रिग्ज ने टेलीविजन पर लाइव संबोधन दिया, जिसमें उन्होंने अमेरिकी सेना के श्मिडनाइट ऑपरेशनश की कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने मादुरो और उनकी पत्नी की तत्काल रिहाई की मांग करते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को चेतावनी दी कि वेनेजुएला अपनी संप्रभुता और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है। रोड्रिग्ज ने स्पष्ट किया कि मादुरो ही देश के एकमात्र वैध नेता हैं।

कहां है निकोलस मादुरो?

दूसरी ओर, हिरासत में लिए गए निकोलस मादुरो को अमेरिका ले जाया जा चुका है। ताजा जानकारी के अनुसार, उन्हें न्यूयॉर्क की एक फेडरल जेल (मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर) में रखा गया है। उम्मीद जताई जा रही है कि सोमवार को उन्हें पहली बार मैनहट्टन की फेडरल कोर्ट में पेश किया जाएगा। इस बीच, वॉशिंगटन से आ रहे बयानों ने दुनिया भर में हलचल तेज कर दी है, क्योंकि अमेरिका अब सीधे तौर पर वेनेजुएला के प्रशासन में दखल दे रहा है।

ट्रंप का बड़ा ऐलान

फ्लोरिडा के मार–ए–लागो रिसॉर्ट में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बड़ा ऐलान किया। ट्रंप ने कहा कि वेनेजुएला को फिलहाल श्अस्थायी अमेरिकी नियंत्रणश में रखा जा रहा है। उन्होंने कहा, श्हम तब तक वहां का शासन चलाएंगे जब तक एक सुरक्षित और समझदारी भरा बदलाव नहीं हो जाता।श ट्रंप ने तर्क दिया कि वे वेनेजुएला को किसी ऐसे हाथों में जाने का जोखिम नहीं उठा सकते जो वहां की जनता के हित में काम न करे।

वेनेजुएला में अमेरिकी कार्रवाई खतरनाक मिसाल कायम करती है: संयुक्त राष्ट्र महासचिव

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने वेनेजुएला और उसके राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के खिलाफ अमेरिका की कार्रवाई पर चिंता जताते हुए कहा कि ये घटनाक्रम ''खतरनाक मिसाल'' कायम करते हैं। महासचिव के प्रवक्ता की ओर से शनिवार को जारी बयान में कहा गया कि गुतारेस ''वेनेजुएला में हाल में हुए उस घटनाक्रम से अत्यंत चिंतित हैं जिसके तहत अमेरिका ने आज देश में सैन्य कार्रवाई की और क्षेत्र के लिए इसके संभावित रूप से चिंताजनक निहितार्थ हो सकते हैं।'' गुतारेस ने कहा कि वेनेजुएला की स्थिति से अलग, ''ये घटनाक्रम एक खतरनाक मिसाल कायम करते हैं।'' उन्होंने कहा कि उन्हें ''इस बात की गहरी चिंता है कि अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान नहीं किया गया।'' मादुरो और उनकी पत्नी पर न्यूयॉर्क के संघीय अधिकारियों ने मादक पदार्थों से संबंधित आतंकवाद की साजिश और अमेरिका के खिलाफ विनाशकारी उपकरण रखने की साजिश के आरोपों में अभियोग लगाया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार तड़के 'ट्रुथ सोशल' पर घोषणा की थी कि अमेरिका ने वेनेजुएला और मादुरो के खिलाफ ''बड़े पैमाने'' पर ''सफलतापूर्वक'' हमला किया और ''मादुरो को उनकी पत्नी के साथ पकड़ लिया गया है एवं उन्हें देश से बाहर ले जाया गया है। यह अभियान अमेरिकी कानून–प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर किया गया।

न्याय प्रक्रिया में अधिवक्ता की भूमिका महत्वपूर्ण: न्यायमूर्ति

जौनपुर। न्यायमूर्ति वाणी रंजन अग्रवाल ने कहा कि त्वरित न्याय प्रक्रिया में अधिवक्ता की भूमिका महत्वपूर्ण रही है और आजादी के बाद संविधान निर्माण में डॉ राजेन्द्र प्रसाद, पंडित जवाहर लाल नेहरू, डॉ भीमराव अंबेडकर जी का महत्वपूर्ण योगदान रहा हैं और ये सभी महान पुरुष अधिवक्ता भी थे । जनपद के वरिष्ठ अधिवक्ता स्व संतोष कुमार श्रीवास्तव संतोषी बाबू जी की 20 वी पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा एवं सेमिनार त्वरित न्याय प्रक्रिया में न्याय पालिका कार्य पालिका विधायिका एवं अधिवक्ता की भूमिका पर आयोजित सेमिनार को संबोधित करते हुए प्रयागराज उच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति श्रीमती वाणी रंजन अग्रवाल जी ने कहा कि त्वरित न्याय प्रक्रिया में न्याय पालिका का जो सम्मान आम आदमी में है उसे और बढ़ाने की जरूरत है अधिवक्ता वादकारी व न्यायाधीश के बीच सेतु बनकर कार्य करता हैं और विधि और न्याय को समय के साथ परिवर्तित होते रहना चाहिए और कहा कि संतोषी बाबू एक अच्छे और विद्वान अधिवक्ता थे जो सदैव न्याय हित में कार्य करते थे। जिला जज सुशील कुमार शशि जी ने कहा कि न्याय सिर्फ जज से नहीं होता है दोनों पक्षों को सुनने के बाद जो फैसला होता हैं वहीं न्याय होता हैं अधिवक्ता जिस वादकारी के लिए कार्य कर रहा हैं उसके प्रति ईमानदार होना चाहिए कहा कि अधिवक्ता ही जनमानस का मस्तिष्क है और अधिवक्ता कर्मयोगी होता हैं।स्वागत भाषण अध्यक्ष सुभाष चंद्र यादव ने करते हुए कहा है अधिवक्ता सदैव न्याय हित में कार्य करता हैं ।इसके पूर्व सेमिनार का उद्घाटन अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। संचालन मंत्री रण बहादुर यादव ने किया।आभार कार्यकम संयोजक राजेश श्रीवास्तव बच्चा भईया एडवोकेट ने किया। उसके बाद न्यायमूर्ति वाणी रंजन अग्रवाल ने चौकियां धाम में मत्था टेका और दर्शन पूजन कर प्रयागराज प्रस्थान किया।

ओएनजीसी गुजरात के गांधार क्षेत्र के खाली हो चुके कुओं में सीओ 2 भंडारण करेगी

तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) की योजना गुजरात के गांधार तेल क्षेत्र के खाली हो चुके कुओं में कार्बन डाइऑक्साइड का भंडारण करने की है। यह कंपनी के पहले पूर्ण

स्तर के कार्बन संग्रहण एवं भंडारण (सीसीएस) पायलट और इसकी अकार्बनीकरण रणनीति में एक बड़ा कदम है। अधिकारियों ने कहा कि इस पायलट परियोजना में दो छोड़े गए तटवर्ती कुओं का उपयोग किया जाएगा, ताकि उप–सतही हाइड्रोकार्बन जलाशयों में प्रतिदिन लगभग 100 टन कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ2) का भंडारण किया जा सके। सीओ2 को दहेज क्षेत्र के नजदीकी औद्योगिक स्रोतों के साथ ही ओएनजीसी के अपने हजीरा संयंत्र से लिया जाएगा और गांधार के कुओं तक पहुंचाया जाएगा। इसे वायुमंडल में प्रवेश करने से रोकने के लिए जमीन के नीचे जमा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस परियोजना का उद्देश्य तेल उत्पादन बढ़ाने के लिए सीओ2 के उपयोग का परीक्षण करना भी है, जिससे संभावित रूप से हानिकारक ग्रीनहाउस गैस को एक उत्पादक संसाधन में बदला जा सकता है। ओएनजीसी ने इससे पहले कुएं में भंडारण के लिए लगभग 80 किमी दूर इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की कोयली रिफाइनरी से सीओ2 हासिल की थी।

पानी से भरे गड्ढे में डूबने से बच्चे की मौत

बाराबंकी। सिरौलीगौसपुर तहसील परिसर में दोपहर एक 12 वर्षीय बालक अथर्व मौर्या की पानी से भरे गड्ढे में डूबने से मौत हो गई। यह घटना दोपहर करीब 2:30 बजे हुई।अथर्व मौर्या, तहसील में कंप्यूटर ऑपरेटर विक्रम मौर्या का पुत्र था। अथर्व कक्षा चार का छात्र था और उसका एक डेढ़ वर्षीय छोटा भाई भी है। परिवार तहसील परिसर में बने सरकारी आवास में ही निवास करता है। अथर्व तहसील परिसर में खेल रहा था। इसी दौरान वह फिसलकर परिसर में मौजूद पानी से भरे एक गड्ढे में जा गिरा। गड्ढे में डूबने के कारण उसकी हालत गंभीर हो गई। हादसे के तुरंत बाद परिजन अथर्व को सिरौली गौसपुर स्थित 100 शैय्यायुक्त संयुक्त चिकित्सालय ले गए, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है। इस दौरान तहसीलदार सिरौली गौसपुर बालेन्दु भूषण वर्मा, लेखपाल सुभेन्द्र अवस्थी, आशुतोष मिश्रा, अनूप कुमार सहित कई तहसील कर्मी एवं बदोसराय कोतवाली के कोतवाल अजीत कुमार विद्यार्थी भी अस्पताल पहुंचे। बदोसराय कोतवाली के कोतवाल अजीत कुमार विद्यार्थी ने बताया कि मामले में विधिक प्रक्रिया पूरी करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

पति की रोज–रोज पिटाई से तंग आकर पत्नी ने ही की थी हत्या

प्रयागराज। रोज–रोज पति शराब के नशे में पीटते थे। 25 दिसंबर की देर शाम को भी जब वह शराब के नशे में घर लौटे तब भी मुझसे मारपीट की जो उस दिन बर्दाश्त न हुआ और फिर डंडे से हमने भी पति की पिटाई कर दी। इसमें उसकी मौत हो गई। यह सनसनीखेज खुलासा किसी और ने नहीं बल्कि सिंचाई विभाग में तैनात रहे रनर वीरेंद्र गौतम उर्फ मुन्ना की पत्नी ने पुलिस के सामने किया। सिंचाई कर्मी की हत्या की रिपोर्ट अज्ञात लोगों के खिलाफ पत्नी ने दर्ज कराई थी। जिसे पुलिस ने कोर्ट में पेश किया और जहां से उसे जेल भेजा गया। सिंचाई विभाग कार्यालय में 51 वर्षीय वीरेंद्र गौतम उर्फ मुन्ना रनर के पद पर तैनात था। वह 25 दिसंबर की रात घर के बाहर घायल पड़ा मिला था तो पत्नी लता गौतम ने उसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया था। इसके बाद पत्नी लता गौतम ने 28 दिसंबर को अज्ञात के विरुद्ध केस भी दर्ज कराया था। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही थी तो पत्नी पर ही शक हो गया। कड़ाई से पूछताछ में पत्नी लता गौतम ने पुलिस को बताया कि पति उसके साथ आए दिन शराब पीकर मारपीट कर उत्पीड़न करते थे। इससे वह परेशान हो गई थी। 25 दिसंबर की रात को भी पति शराब पीकर घर आए और गाली गलौज कर मारपीट कर दी तो उसने उन्हें धक्का दे दिया। इससे वह गिरे पड़े। इस पर वह और गुस्से में उसके साथ मारपीट कर रहे थे उसने भी पास में रखा डंडा उठाकर सिर में प्रहार कर दिए। इससे उनकी मौत हो गई। घटना छिपाने के लिए ही उसने कुचक्र रचा था। पुलिस ने आरोपित महिला को कोर्ट में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। फिलहाल पुलिस जांच पड़ताल कर रही है।

सामाजिक बराबरी की अगुवा रही सावित्री बाई फुले : जुगराज सिंह

आप कार्यकर्ताओं ने मनाई नारी मुक्ति आंदोलन की प्रणेता सावित्रीबाई फुले जयन्ती

बाराबंकी। देश की पहली महिला शिक्षिका, महान समाज सुधारक और नारी मुक्ति आंदोलन की अग्रदूत सावित्रीबाई फुले की जयंती के अवसर पर आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश द्वारा प्रदेश के सभी जिलों में श्रद्धांजलि सभा एवं विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसी क्रम में जिला बाराबंकी के शहीद स्थल पर पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने माता सावित्रीबाई फुले जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके संघर्ष, शिक्षा–दृष्टि व सामाजिक समानता के विचारों पर विस्तार से चर्चा की। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष जुगराज सिंह ने कहा कि माता सावित्रीबाई फुले जी ने उस दौर में लड़कियों की शिक्षा की अलख जगाई, जब समाज का बड़ा हिस्सा महिलाओं को पढ़ने–लिखने का अधिकार देने के खिलाफ था। उन्होंने कहा कि सावित्रीबाई फुले का जीवन इस बात का प्रमाण है कि शिक्षा ही सामाजिक बदलाव का सबसे मजबूत हथियार है। आज भी जब बेटियों की पढ़ाई, दलित–पिछड़ों के अधिकार और सामाजिक न्याय पर हमले हो रहे हैं, तब फुले जी के विचार पहले से ज्यादा प्रासंगिक हो गए हैं। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश प्रभारी व राज्यसभा सांसद संजय सिंह जी ने दलित विरोधी योगी सरकार के खध्लिाफ और समाज के दलित, पिछड़े, आदिवासी समाज और शोषित और वंचित वर्ग को सामाजिक न्याय दिलाने के लिए ही कुछ समय पहले श्रोजगार दो, सामाजिक न्याय दो पदयात्राश् निकाली थी। आम आदमी पार्टी सावित्रीबाई फुले के सपनों के समाज के निर्माण के लिए सड़क से सदन तक आगे भी संघर्ष करती रहेगी। कार्यक्रम के अंत में पार्टी नेताओं ने आह्वान किया कि माता सावित्रीबाई फुले जी के विचारों को जन–जन तक पहुंचाया जाए और शिक्षा व समानता के उनके संघर्ष को आगे बढ़ाया जाए। इस श्रद्धांजलि सभा एवं संगोष्ठी के कार्यक्रम में नन्हे राम यादव, अजय वर्मा, चांद बाबू, आफताब, अरविंद यादव, रवि पांडे, अफसाना बानो, नियाज अहमद, रेहान, सलाहुद्दीन, नफील खान शमीम सहित जिले के सभी पदाधिकारी बड़ी संख्या में कार्यकर्ता साथी उपस्थित रहे।

नवंबर में भारत का कोयला आयात बढ़ा, आने वाले महीनों में गिरावट की संभावना

भारत का कोयला आयात नवंबर में 28.1 प्रतिशत बढ़ा,

हालांकि घरेलू संसाधनों की उपलब्धता बढ़ने के कारण आने वाले महीनों में इसमें गिरावट आने की उम्मीद है। इस्पात कंपनी सेल और टाटा स्टील के संयुक्त उद्यम एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड के आंकड़ों से यह जानकारी मिली, जो एक बी2बी ई–कॉमर्स मंच है। आंकड़ों के मुताबिक नवंबर 2025 में आयात सालाना आधार पर बढ़कर 2.5 करोड़ टन हो गया, जो नवंबर 2024 में 1.95 करोड़ टन था। एमजंक्शन के प्रबंध निदेशक और सीईओ विनय वर्मा ने कहा, नवंबर में आयात की मात्रा में वृद्धि मुख्य रूप से इस्पात मिलों द्वारा सर्दियों के भंडार को फिर से तैयार करने के कारण हुई। इसके अलावा, कुछ खरीदारों ने नई पोजीशन ली क्योंकि समुद्र के रास्ते आने वाले कोयले की कीमतें कमजोर बनी हुई थीं। हालांकि, आने वाले महीनों में हम घरेलू उपलब्धता बढ़ने के कारण आयात में गिरावट की उम्मीद कर रहे हैं। नवंबर 2025 के कुल आयात में नॉन–कोकिंग कोल का आयात 1.42 करोड़ टन रहा, जबकि एक साल पहले इसी माह में यह आंकड़ा 1.23 करोड़ टन था। समीक्षाधीन अवधि में कोकिंग कोल का आयात 65 लाख टन रहा। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल–नवंबर अवधि में कोयला आयात बढ़कर 18.61 करोड़ टन हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 18.20 करोड़ टन था।

सपाइयों ने मनाई संकल्प के साथ सावित्रीबाई फुले की जयंती

प्रयागराज। देश की प्रथम महिला शिक्षिका, समाज सुधार की अग्रदूत और नारी शिक्षा की प्रतीक सावित्रीबाई फुले की जयंती आज समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय में गरिमामय वातावरण में मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित गोष्ठी में पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं ने सावित्रीबाई फुले के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के एमएलसी डॉ मानसिंह यादव ने कहा कि सावित्रीबाई फुले ने उस दौर में शिक्षा की अलख जगाई जब महिलाओं और दलितों को पढ़ने–लिखने से वंचित रखा जाता था। उन्होंने सामाजिक रूढ़ियों, जातिवाद और पितृसत्ता के खिलाफ संघर्ष करते हुए न केवल लड़कियों के लिए स्कूल खोले, बल्कि समाज को बराबरी, न्याय और मानवता का संदेश दिया। विधायक संदीप पटेल ने कहा कि सावित्रीबाई फुले का जीवन आज भी सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ने वालों के लिए प्रेरणास्रोत है। जिलाध्यक्ष अनिल यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी सदैव सामाजिक न्याय, समानता और शिक्षा के अधिकार की पक्षधर रही है। सावित्रीबाई फुले के विचार समाजवादी विचारधारा से मेल खाते हैं, क्योंकि उन्होंने शोषित–वंचित वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ने का काम किया। कार्यक्रम में प्रवक्ता दान बहादुर मधुर ने कहा कि सावित्रीबाई फुले ने केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि विधवा पुनर्विवाह, बाल विवाह और छुआछूत जैसी कुरीतियों के खिलाफ भी आवाज उठाई। महासचिव रविन्द्र यादव नेकहा कि उन्होंने समाज में फैली असमानताओं को खत्म करने के लिए उन्होंने लेखन और सामाजिक कार्य को हथियार बनाया। गोष्ठी के दौरान उनके संघर्ष, उपलब्धियों और योगदान पर विस्तार से चर्चा की गई। अंत में समाजवादी पार्टी के नेताओं ने संकल्प लिया कि पार्टी सावित्रीबाई फुले के सपनों का भारत बनाने के लिए शिक्षा, समानता और सामाजिक न्याय की लड़ाई को और तेज करेगी। इस मौके पर एमएलसी डॉ मानसिंह यादव, विधायक संदीप पटेल, जिलाध्यक्ष अनिल यादव, अमरनाथ मौर्य, लाल चंद्र कुशवाहा, रविन्द्र यादव एडवोकेट, योगेश यादव, कमला यादव, दान बहादुर मधुर, महबूब उस्मानी, अजय यादव, शांति प्रकाश पटेल, संगम लाल मौर्य,, मृत्युंजय पाण्डेय, कुलदीप यादव, आर एन यादव, नाटे चौधरी, संतोष यादव, महेन्द्र निषाद, राम आसरे पासी, आसुतोष दुबे, विकास सिंह, राजू पासी, सचिन श्रीवास्तव, श्रीमती चंचल पासी, सविन्द्र, दिलीप प्रजापति,त्रिभुवन यादव, भोला पाल, राकेश पाल, डॉ अरविन्द वर्मा, सुरेश कुमार आदि मौजूद रहे।

पंचायत निर्वाचक नामावली सूची से काटे गए 154 मतदाताओं का नाम,साजिश या कुछ और

गोण्डा। पंचायत चुनाव लिस्ट से करीब 154 मतदाताओं का नाम काटे जाने से ग्रामवासी दिनाँक 31.12.2025 को जिला निर्वाचन अधिकारी गोण्डा को प्रार्थना पत्र देकर मतददाताओं का नाम पंचायत निर्वाचक नामावली में अंकित कराने की मांग की गई है। तहसील सदर अंतर्गत ग्राम पंचायत दरियापुर हरदोपट्टी, निवासी समाजसेवी शिवकुमार तिवारी पुत्र महादेव द्वारा जिला निर्वाचन अधिकारी को डाक द्वारा पत्र भेजकर कहा गया है कि उनके ग्राम दरियापुर हरदोपट्टी निवासी 154 से अधिक मतदाताओं का नाम बिना कोई जांच किए व बिना कोई नोटिस दिए ही वित्तीय वर्ष 2025–26 पंचायत निर्वाचक नामावली सूची से काट कर विलोपन कर दिया गया है जिससे मतददाता अपने मौलिक मताधिकार से वंचित हो रहे हैं जो एक गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है। समाजसेवी शिवकुमार तिवारी ने मांग की है कि समस्त मतदाताओं का नाम पंचायत निर्वाचक नामावली सूची में अंकित कराते हुए संविधान की रक्षा की जावे।

रंगदारी मांगने व जानलेवा हमला करने के प्रकरण में वांछित आरोपी अभियुक्तगिरफ्तार

गोण्डा। थाना कोतवाली नगर पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0स0– 817ध2025 धारा 191(2), 191(3), 126(2), 308(4), 109, 115(2), 351(3) बीएनएस से सम्बन्धित आरोपी अभियुक्त – अर्जुन सिंह पुत्र श्रीमान सिंह निवासी कोयली जंगल थाना कोतवाली देहात जनपद गोण्डा को कोयली बीरन रोड के किनारे मैदान से गिरफ्तार कर लिया गया। मिली जानकारी अनुसार आज ..उपनिरीक्षक अंकित सिंह चौकी प्रभारी मिश्रौलिया मय हमराह द्वारा दिनांक 17.10.25 को रंगदारी मांगने व जानलेवा हमला करने के प्रकरण में हुई पुलिस मुठभेड़ से संबंधित अन्य अभियुक्तगण की गिरफ्तारी हेतु पतारसी–सुरागरसी व क्षेत्र भ्रमण में रवाना थे, मुखबिर की सूचना पर उक्त प्रकरण से संबंधित वांछित आरोपी अभियुक्त अर्जुन सिंह पुत्र श्रीमान सिंह निवासी कोयली जंगल थाना कोतवाली देहात जनपद गोण्डा को कोयली बीरन रोड के किनारे मैदान से गिरफ्तार कर लिया गया, गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध थाना कोतवाली नगर पुलिस द्वारा अग्रिम विधिक कार्यवाही कर न्यायालय रवाना किया गया।

गैंगस्टर एक्ट का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

गोण्डा। थाना छपिया पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0– 04ध2026, धारा 3(1) यू0पी0 गैंगस्टर एक्ट से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त– शिवम त्रिपाठी उर्फ शिवम पण्डित (मोनू) पुत्र वीरेन्द्र त्रिपाठी निवासी ग्राम सुनसुन पोस्ट बेभरिया थाना पैकोलिया जनपद बस्ती को उसके घर ग्राम सुनसुन थाना पैकोलिया क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया गया । मिली जानकारी अनुसार दिनांक 2.01.2026 को थानाध्यक्ष छपिया प्रबोध कुमार मय पुलिस टीम क्षेत्र में भ्रमणशील थे कि सूचना मिली कि शिवम त्रिपाठी उर्फ शिवम पण्डित (मोनू) पुत्र वीरेन्द्र त्रिपाठी निवासी ग्राम सुनसुन पोस्ट बेभरिया थाना पैकोलिया जनपद बस्ती एक शातिर अपराधी है, जो संगठित गिरोह बनाकर छल कपट, धोखाधडी व धमकी देकर धनार्जन करता है। गिरोह के सदस्य सत्यम त्रिपाठी, विजय त्रिपाठी व शुभम सिंह हैं। उक्त गिरोह का कृत्य उ०प्र० गिरोहबन्द एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम, 1986 की धारा 3(1) के अन्तर्गत दण्डनीय पाया गया। गिरोह–चार्ट तैयार कर अनुमोदन उपरान्त अभियोग पंजीकृत किया गया। जिसमें आज थाना छपिया पुलिस टीम द्वारा उक्त गिरोह के शिवम त्रिपाठी उर्फ शिवम पण्डित (मोनू) पुत्र वीरेन्द्र त्रिपाठी निवासी ग्राम सुनसुन पोस्ट बेभरिया थाना पैकोलिया जनपद बस्ती को उसके घर ग्राम सुनसुन थाना पैकोलिया क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के विरूद्ध थाना छपिया पुलिस द्वारा अग्रिम विधिक कार्यवाही कर न्यायालय रवाना किया गया।

सड़क हादसे में दो घायल, जिला अस्पताल रेफर

बाराबंकी। मसौली थाना क्षेत्र अंतर्गत लखनऊ–बहराइच राष्ट्रीय राजमार्ग पर देर शाम एक भीषण सड़क हादसा हो गया। मसौली पशु बाजार के पास पहले दो ट्रकों की आमने–सामने जोरदार टक्कर हुई, जिसके बाद पीछे से आ रही एक कार भी दुर्घटनाग्रस्त ट्रक से जा टकराई। गनीमत यह रही कि कार मे सवार सभी लोग सुरक्षित बच गए, जबकि एक ट्रक का चालक और खलासी घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, देर शाम बाराबंकी की ओर से रामनगर की तरफ जा रहा ट्रक संख्या यूपी 32 एचएन 4550 सामने से रामनगर की ओर से आ रहे ट्रक संख्या यूपी 51 ए.टी 6393 से मसौली पशु बाजार के पास आमने–सामने टकरा गया। टक्कर इतनी तेज थी कि सड़क पर अफरा–तफरी मच गई। इसी दौरान बाराबंकी से रामनगर की ओर जा रही एक कार भी दुर्घटनाग्रस्त ट्रक के पिछले हिस्से में जा घुसी, जिससे कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि कार में सवार चारों लोग सुरक्षित रहें। हादसे में एक ट्रक चालक तिलकराम पुत्र शंकर और खलासी महादेवराज पुत्र राम अचल, निवासी ग्राम हीरापुर कमियार, कोतवाली करनैलगंज, जनपद गोंडा घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को एंबुलेंस द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़ागांव में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वही दूसरे ट्रक चालक सूरज पुत्र रिखाई यादव, निवासी जनपद संत कबीर नगर, को पुलिस ने नशे की हालत पाया। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस दुर्घटना के कारणों की विस्तृत जांच कर रही है। हादसे के बाद कुछ समय के लिए लखनऊ–बहराइच राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात बाधित रहा। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर वाहनों को हटवाया और यातायात को सुचारु कराया।

गुरु गोरख स्वास्थ्य सेवा यात्रा 6.0 से दूरदराज़ गांवों में पहुंचेगी विशेषज्ञ चिकित्सकीय सेवाएँ

बलरामपुर के सीमावर्ती क्षेत्र के 70 ग्राम पंचायतों में मेडिकल कैंप, ग्रामीणों को मिलेगी निःशुल्क जाँच और दवा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। नेशनल मेडिकोज ऑर्गेनाइजेशन अवध प्रांत द्वारा आयोजित गुरु गोरख स्वास्थ्य सेवा यात्रा 6.0 का आयोजन जनपद बलरामपुर में दिनांक 6, 7 एवं 8 फरवरी को किया जाएगा। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर रविवार को जिले में एक समन्वय बैठक आहूत की गई, जिसमें यात्रा के सफल संचालन एवं चिकित्सा सेवाओं की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में अवध प्रांत के श्री गुरु गोरखनाथ सेवा न्यास के अध्यक्ष प्रोफेसर एम.एल.बी. भट्ट, निदेशक कल्याण सिंह कैंसर संस्थान, लखनऊ, प्रो. राजेश चतुर्वेदी प्राचार्य, मेडिकल कॉलेज बलरामपुर, नेशनल मेडिकोज ऑर्गेनाइजेशन और अवध प्रांत लखनऊ से डॉ. तावसी, डॉ. अभिषेक, गोंडा विभाग के विभाग संघचालक सौम्य अग्रवाल, नेशनल मेडिकोज ऑर्गेनाइजेशन बलरामपुर के जिलाध्यक्ष राधेश्याम वर्मा, सचिव डॉ. विकल्प मिश्रा, यात्रा के जिला संयोजक राम .पाल, सहसंयोजक शैलेंद्र, जिला प्रचारक जितेंद्र कुमार, जिला कार्यवाह किरीट

मणि, विभाग सेवा प्रमुख श्याम सुंदर, विभाग प्रचार प्रमुख मनीष एवं जिला प्रचार प्रमुख मोहनीश सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में विशेष रूप से सीमावर्ती गांवों में आयोजित होने वाले मेडिकल कैंपों पर चर्चा की गई। गुरु गोरखनाथ सेवा न्यास के अध्यक्ष ने बताया कि मेडिकल टीम स्थानीय लोगों के घरों पर रहकर अपनी सेवाएँ देंगे। इन कैंप में लोगों के सीमावर्ती विकास खंडों पचपेड़वा, गैसड़ी, तुलसीपुर, हरैया सतघरवा क्षेत्र के 70 ग्राम पंचायतो में कैंप लगाया जाएगा। जिसमें थारू जनजाति सहित अन्य लोगों का निःशुल्क जाँच–इलाज एवं दवा की वितरित की जाएगी। जिसमें प्रदेश के प्रतिष्ठित चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क उपचार किया जाएगा। उन्होंने प्रो. राजेश चतुर्वेदी प्राचार्य और सीएमओ डॉ मुकेश रस्तोगी को गुरु गोरख स्वास्थ्य सेवा यात्रा का संरक्षक घोषित किया गया है। जिला प्रचारक जितेंद्र कुमार ने बताया कि बैठक में निर्णय लिया गया कि यात्रा के दौरान स्थानीय ग्रामीणों को विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा निशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को प्रत्यक्ष स्वास्थ्य लाभ मिल सके। आयोजन को जनसेवा और स्वास्थ्य जागरूकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया गया है। बैठक दौरान सभी खंडों के संयोजक उपस्थित रहे।

प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान के तहत जनपद में व्यापक स्वच्छता अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत देश को प्लास्टिक प्रदूषण से मुक्त करने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में रविवार को जनपद में एक व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया।इस अवसर पर जिलाधिकारी विपिन कुमार जैन एवं पुलिस अधीक्षक विकास कुमार द्वारा थाना कोतवाली नगर एवं थाना कोतवाली देहात क्षेत्रांतर्गत कचहरी आवासीय परिसर एवं भगवतीगंज चौराहा पर स्वयं साफ–सफाई कर आमजन को स्वच्छता एवं प्लास्टिक मुक्त समाज का सशक्त संदेश दिया गया। अभियान के दौरान पुलिसकर्मियों द्वारा थाना परिसर, आवासीय परिसर तथा

आसपास के क्षेत्रों में व्यापक साफ–सफाई की गई। अधिकारियों ने आमजन से एकल–उपयोग प्लास्टिक के प्रयोग से बचने तथा पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की।प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान के प्रमुख उद्देश्यएकल उपयोग वाले प्लास्टिक उत्पादों के प्रयोग पर रोक,प्लास्टिक कचरे का वैज्ञानिक एवं सुरक्षित निस्तारण,प्लास्टिक के पर्यावरण–अनुकूल विकल्पों को बढ़ावा,प्लास्टिक से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति जनजागरूकता अभियान के अंतर्गत नागरिकों से निम्न बिंदुओं पर विशेष रूप से अपील की गई.दैनिक जीवन में प्लास्टिक का न्यूनतम उपयोग करेंप्लास्टिक थैलियों के स्थान पर कपड़े या जूट के थैलों का प्रयोग करेंप्लास्टिक कचरे का पृथक संग्रह एवं उचित निपटान सुनिश्चित करेंप्लास्टिक मुक्त भारत अभियान के प्रति अन्य लोगों को भी जागरूक करेंइस अभियान में अपर पुलिस अधीक्षक बलरामपुर श्री विशाल पाण्डेय, उपजिलाधिकारी सदर, प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली नगर/देहात, रिक्रूट कांस्टेबल सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।इसी क्रम में जनपद के समस्त थाना प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षों द्वारा अपने–अपने थाना परिसरों एवं आसपास के क्षेत्रों में नियुक्त कर्मचारियों के माध्यम से व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया।

चेयरमैन रवि वर्मा ने किया नगर को पोलीथीन मुक्त बनाने की अपील

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर/पचपेड़वा। जिलाधिकारी बलरामपुर एवं पुलिस

अधीक्षक बलरामपुर के निर्देशन में नगर पंचायत पचपेड़वा अध्यक्ष रवि वर्मा एवं प्रभारी थाना अध्यक्ष ओम प्रकाश चौहान के अगुवाई में समस्त नागरिकों को एवं व्यापारियों को पॉलिथीन मुक्त भारत बनाने एवं अपने आसपास स्वच्छ वातावरण बनाए रखना के लिए प्रेरित किया गया।इस अवसर पर कस्बा इंचार्ज दिलीप सिंह, सभासद शशिकांत सोनी, सोनू सोनी, विक्की गुप्ता ,अभय वर्मा, संतोष मोदनवाल, रमन चंदेल ,संतोष गुप्ता ,दिनेश वाल्मीकि, मंटू श्रीवास्तव सहित भारी संख्या में पुलिस बल एवं नगर पंचायत के कर्मचारीगण सम्मिलित रहे।

महिला श्रमिक से थाने में गाली–गलौज, जबरन वीडियो बनवाने का आरोप

बंधुआ मजदूरी में पुलिस–ठेकेदार गठजोड़ की आशंका

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर।महिला सशक्तिकरण के सरकारी दावों को चुनौती देता हुआ एक मामला जनपद के थाना कोतवाली देहात क्षेत्र से सामने आया है, जहां एक महिला श्रमिक को थाने बुलाकर कथित रूप से गाली–गलौज, धमकी और मानसिक उत्पीड़न का शिकार बनाया गया।पीड़िता रामवती पत्नी रामराज, निवासी ग्राम नैनपुर, थाना कोतवाली देहात का आरोप है कि उसने हृदय नगर मटेरा, जनपद गोंडा स्थित ईंट भट्ठे पर लगभग दो वर्षों तक मजदूरी की, लेकिन भट्ठा मालिकों द्वारा आज तक उसके श्रम का कोई हिसाब नहीं दिया गया। इस वर्ष जब उसने दोबारा जबरन मजदूरी कराने से इंकार किया, तो उसके विरुद्ध फर्जी प्रार्थना पत्र थाने में देकर उसे दबाव में लेने की कोशिश की गई।आरोप है कि ईंट भट्ठा मालिक मैराज पुत्र आजाद, निवासी गुमड़ी तथा विजय पुत्र जोखू, निवासी चौनपुर बिकवा, जनपद श्रावस्ती के संरक्षण में कोतवाली देहात के एक पुलिसकर्मी ने पीड़िता को थाने बुलाया, जहां उसके साथ भद्दी–भद्दी गालियां दी गईं और खुली धमकियां दी गईं।पीड़िता का कहना है कि जब उसने इस अमानवीय व्यवहार को कैमरे में कैद करने का प्रयास किया तो पुलिसकर्मी ने उसका मोबाइल छीन लिया और धमकी दी कि "ज्यादा दिमाग लगाया तो जिंदगी तबाह कर दूंगा।" इतना ही नहीं, उससे जबरन पैसे लेने की बात कहलवाकर वीडियो बनवाया गया, जिसे बाद में भट्ठा मालिक को सौंप दिया गया।मामले ने बंधुआ मजदूरी, महिला उत्पीड़न और पुलिस–ठेकेदार गठजोड़ की गंभीर आशंका को जन्म दिया है। पीड़िता ने पुलिस और जिला प्रशासन के उच्च अधिकारियों से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए, ताकि कानून का भय स्थापित हो और महिला श्रमिकों के अधिकार सुरक्षित रह सकें।

मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेलों में 1702 मरीजों को मिला उपचार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जनपद बलरामपुर में रविवार को सभी 31 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेलों का सफल

आयोजन किया गया। इन मेलों में कुल 1702 मरीजों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं।स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी विवरण के अनुसार, लाभार्थियों में 833 पुरुष, 716 महिलाएं और 153 बच्चे शामिल रहे। मेलों में आए मरीजों का पंजीकरण कर सामान्य स्वास्थ्य जांच, रक्तचाप, शुगर, टीबी, कुष्ठ, नेत्र एवं दंत रोगों की जांच की गई। साथ ही गर्भवती महिलाओं की एएनसी जांच, परिवार नियोजन संबंधी परामर्श और बच्चों का टीकाकरण भी किया गया।इसके अतिरिक्त आयुष्मान भारत योजना, राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम, संचारी रोग नियंत्रण अभियान तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी लोगों को दी गई। दवा वितरण काउंटर के माध्यम से निःशुल्क दवाएं उपलब्ध कराई गईं।

फर्जी जमानतदार मामले में पूर्व सांसद रिजवान जहीर को कोर्ट से मिली जमानत

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। फर्जी जमानतदार मामले में पूर्व सांसद रिजवान

जहीर को बड़ी राहत मिली है। शनिवार को अपर सत्र न्यायाधीश प्रदीप कुमार ने उनका जमानत प्रार्थना पत्र मंजूर करते हुए पुलिस की कार्रवाई पर कड़ी टिप्पणी की। आरोप है कि इस प्रकरण में पुलिस ने नाराजगी में अपराध का मामला तैयार किया। मामला थाना ललिया क्षेत्र का है। उप निरीक्षक द्वारा 14 दिसंबर को दर्ज कराई गई प्राथमिकी में आरोप लगाया गया था कि गिरोहबंद अधिनियम के एक मामले में जमानत मिलने के बाद पूर्व सांसद की ओर से रोज अली और मोहर्रम अली को जमानतदार के रूप में पेश किया गया, जिनके पते गलत पाए गए। इसी आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर पूर्व सांसद का अभिरक्षा रिमांड लिया था।जमानत प्रार्थना पत्र पर सुनवाई के दौरान अदालत ने महत्वपूर्ण तथ्यों को रेखांकित किया। न्यायाधीश ने कहा कि आरोपी पिछले चार वर्षों से जेल में है और जमानतदारों से उसका कोई प्रत्यक्ष संपर्क साबित नहीं किया जा सका। पुलिस आरोपी का कोई आपराधिक इतिहास भी प्रस्तुत नहीं कर सकी। इसके अलावा, जिन जमानतदारों पर सवाल उठाया गया, उन्होंने पहले ही अपनी जमानत वापस ले दी थी। अदालत ने निष्कर्ष निकाला कि इन परिस्थितियों में आरोपी के विरुद्ध साजिश का आरोप प्रथम .ष्टया कमजोर है। इसी आधार पर जमानत मंजूर करते हुए न्यायाधीश ने निर्देश दिया कि जेल से रिहा होने के बाद आवेदक सभी शर्तों का पालन करेगा।

कटहा घाट रोड पर दिखा विशालकाय अजगर,लोगों की देखने के लिए जुटी भारी भीड़

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद के कटहा घाट रोड पर उस समय अफरा–तफरी

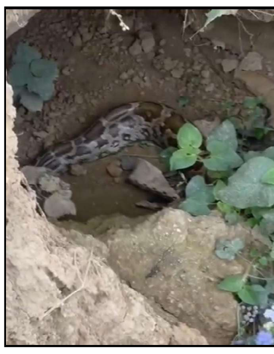

मच गई जब सड़क किनारे एक विशालकाय अजगर नजर आया।अजगर को देखते ही राहगीरों में हड़कंप मच गया और कुछ ही देर में इसकी सूचना आसपास के इलाकों में फैल गई। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और हर कोई इस दुर्लभ नज़ारे को देखने के लिए उत्सुक नजर आया।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार अजगर काफी लंबा और मोटा था, जो सड़क किनारे झाड़ियों में रेंगता हुआ दिखाई दिया। कई लोगों ने डर के मारे रास्ता बदल लिया,जबकि कुछ लोगों ने मोबाइल से वीडियो और फोटो भी बना लिए।घटना के चलते कुछ देर के लिए आवागमन भी प्रभावित रहा।सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन/वन विभाग को अवगत कराया गया,जिसके बाद अजगर को सुरक्षित पकड़ने की तैयारी शुरू की गई। प्रशासन ने लोगों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने और अफवाह न फैलाने की अपील की है। बताया जा रहा है कि क्षेत्र में पहले भी बारिश और जलभराव के बाद जंगली जीवों के निकलने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। फिलहाल अजगर की मौजूदगी को लेकर इलाके में कौतूहल और दहशत दोनों का माहौल बना हुआ है।प्रशासन ने आमजन से अपील की है अजगर या किसी भी जंगली जानवर को देखकर उसके पास न जाएं, तुरंत संबंधित विभाग को सूचना दें।

उत्तर-प्रदेश ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ के पांचवीं बार जिलाध्यक्ष बने गोपाल शरण सिंह

दैनिक बुद्ध का संदेश

रामगांव/बहराइच। उत्तर प्रदेश पंचायत राज ग्रामीण सफाई

कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष बसंत लाल गौतम एवं प्रदेश महामंत्री रामेंद्र श्रीवास्तव के आवाहन पर उत्तर प्रदेश पंचायत राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी जनपद शाखा बहराइच के इकाई का चुनाव आज दिनांक 04 जनवरी 2026 को विकास खंड तेजवापुर के ब्लॉक सभागार में संपन्न हुआ,जिला अध्यक्ष के पद पर एक बार पुनः लगातार पांचवीं बार गोपाल शरण सिंह को जिलाअध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया इसी प्रकार जिलामहामंत्री के पद पर तरुण कुमार मिश्रा,कोषाध्यक्ष के पद परअलीम अहमद को चुनाव अधिकारी द्वारा नव निर्वाचित निर्विरोध घोषित किया गया। इस मौके पर 14 विकास खण्डों के ब्लॉक अध्यक्ष एवं महामंत्री एवं समस्त सफाई कर्मचारी भाई सैकड़ो की संख्या में उपस्थित रहे।उत्तर प्रदेश चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ के जिला अध्यक्ष बृजेश कुमार सिंह की तरफ से नव निर्वाचित सभी पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर ओम प्रकाश बाजपेयी,शंकर दयाल यादव,रमेश कुमार मौर्य,राकेश कुमार पांडेय,राकेश कुमार बाल्मीकि,संगीता यादव, सहित सैकड़ों ग्रामीण सफाई कर्मचारी मौजूद रहे।

सामाजिक समरसता के लिए भेदभाव खत्म करना जरूरी–शिव मूर्ति,प्रांत सद्भाव प्रमुख आर.एस.एस

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र ।हिंदू सम्मेलन का आयोजन विकास खण्ड घोरावल के बकौली न्याय पंचायत का नन्हकूराम पब्लिक स्कूल में विकास खण्ड चतरा के रामगढ़ न्याय पंचायत का अनन्या मैरिज हॉल में अनुराग कुमार, शिव मूर्ति के मुख्यातिथ्य में सकल हिंदू समाज द्वारा रविवार को संपन्न किया गया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ काशी प्रांत के प्रांत सद्भाव प्रमुख शिव मूर्ति ने कहा कि व्यक्ति का मूल्यांकन जाति,भाषा या संपत्ति से नहीं होना चाहिए और सामाजिक समरसता के लिए भेदभाव खत्म करना जरूरी है.उनका कहना था कि पूरा देश सभी का है और यही भावना सच्ची सामाजिक समरसता की पहचान है. उन्होंने कहा कि सामाजिक एकता की पहली शर्त मन से भेदभाव की भावना को खत्म करना और हर व्यक्ति को अपना समझना है. कुटुम्ब प्रबोधन भारतीय जीवन–.ष्टि का मूल है। हिंदू सम्मेलन के दौरान परिवार को समाज

और राष्ट्र की पहली इकाई बताते हुए कहा कि हर घर में सप्ताह में कम से कम एक दिन पूरा परिवार एक साथ समय बिताए।

उन्होंने कहा कि घर में भजन, पारिवारिक भोजन, पूर्वजों की परंपराओं पर चर्चा और यदि कोई विपरीत विचार या संस्कार हों तो उन्हें दूर करने का प्रयास होना चाहिए ।साथ ही देश, हिंदू धर्म और समाज से जुड़े विषयों पर संवाद ही मजबूत परिवार और सशक्त राष्ट्र की नींव है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए क्रमशः यज्ञ नाथ मिश्रा,आदित्यनाथ पाठक ने किया। अपने अध्यक्षीय भाषण में अध्यक्ष द्वय ने कहा की जिस क्षेत्र में आप रहते हैं और घूमते हैं, वहां सभी हिंदुओं में आपके दोस्त होने चाहिए. हम हिंदुओं को एक मानते हैं, लेकिन दुनिया हम हिंदुओं के बीच जाति, भाषा, क्षेत्र और संप्रदाय के आधार पर अंतर देखती है. दुनिया जिनमें अंतर करती है, आपके उन सभी में दोस्त होने चाहिए. हम सभी लोग आज से ही यह प्रक्रिया शुरू कर दें.सभी को अपना मानिए। कार्यक्रम का सफल संचालन राजीव कुमार मिश्रा व रमेश राम पाण्डेय ने किया ।कार्यक्रम में हिन्दू सम्मेलन के जिला संयोजक आलोक कुमार चतुर्वेदी,सह संयोजक राजीव कुमार,खण्ड सह सयोजक रमेश चौबे, गणेश देव पांडे, सर्वेश पाठक, विपिन कुमार, लाल जी तिवारी, प्रभाशंकर चौबे, लालू यादव, लवकुश पाठक,रमेश राम पाण्डेय, अरुणेश पाण्डेय, किरन त्रिपाठी ,तरुण, गिरिजाशंकर, सुशील पाण्डेय,राजेश केशरी, अंकित सिंह, गोविंद गुप्ता, संजय दुबे, विक्की, अशोक, विवेकानंद चतुर्वेदी, रोशन, जमुना गुप्ता, जगदीश, सतीश,विपिन,उमेश शुक्ला, अच्छे लाल, लाल जी तिवारी, सुशील पाठक,प्रशांत तिवारी, प्रशांत मिश्रा,सुरेंद्र मौर्य, रमाशंकर मिश्रा, अशोक चौबे,अमर प्रताप सिंह, अरुण प्रताप सिंह, अभिषेक सिंह,गोपाल तिवारी,गजेंद्र बहादुर सिंह, गोविंद मोर्य, राधेश्याम, मारकंडे पाठक, रामानंद पांडे, मनीष, जितेंद्र पाठक,चंद्रशेखर देव पांडे, अच्युतानंद सिंह,नरेंद्र सिंह,गिरिजा सिंह,देवनारायण सिंह,अजीत प्रताप सिंह,आकाशवली, मनोज,शिवकुमार शुक्ला,रामधनी भारती,उमेश गिरी,जनार्दन पाठक, राम अनुज त्रिपाठी,छविनाथ मौर्या,विपिन गिरी, भिखारी राम,शिरोमणि आदि लोग उपस्थित रहे।

विधायक खेल महाकुंभ दृष्टिहीन खिलाड़ियों ने दिखाया करतब

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। विधायक खेल महाकुंभ रविवार को हाइडिल मैदान पर ऐतिहासिक रहा इस दिन .ष्टिहीन युवकों ने जो करतब दिखाया लोगों ने दांतों तले उंगलियां दबा ली .ष्टिहीन युवाओं ने हाइडिल की पिच पर जमकर क्रिकेट खेल जब तक वह खेलते रहे तालियों की गड़गड़ाहट होती रही। अद्भुत अकल्पनीय वी अविस्मरणीय रहा रविवार का विधायक खेल महाकुंभ वहीं दूसरी तरफ महिलाओं ने भी अपनी अद्भुत कला दिखाई आज का मैच देखने के लिए जिलाधिकारी स्वयं मौजूद रहे। ब्रेनलुई जी के जन्मजयंती के अवसर पर आज का खेल .ष्टि बाधित खिलाड़ियों का क्रिकेट मैच का मुकाबला जिलाधिकारी सोनभद्र बद्रीनाथ सिंह, विधायक भूपेश चौबे,पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा अजीत चौबे व सम्मानित खेल प्रेमियों के साथ सर्व प्रथम स्व0 लुई ब्रेल जी के प्रतिमा पर पुष्प अर्पित व दीप प्रज्वलित कर दोनों टीमें

भिड़ी रॉबट्र्सगंज वॉरियर्स और चतरा वरीयर्ष के बीच मैच का टॉस कराकर मैच का शुभारंभ किया गया, रॉबट्र्सगंज वॉरियर्स की टीम टॉस जीतकर पहले चतरा वरीयर्ष को पहले बल्लेबाजी करने के लिए आमंत्रित किया,चतरा वरीयर्ष की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए अपने निर्धारित 08 ओवर में 3 विकेट खोकर 86 रनों का स्कोर खड़ा किया,जवाब में निर्धारित लक्ष्य का पीछा करते हुए रॉबट्र्सगंज वॉरियर्स की टीम 5 वे ओवर में इस लक्ष्य को 09 विकेट से जीत लिया , दिव्यांग सभी खिलाड़ियों को सोनभद्र एस डी एम वागेश शुक्ल के द्वारा प्रशस्ति पत्र व मैडल दिया गया,। दूसरी प्रतियोगिता महिला क्रिकेट मैच प्रकाश जीनियस स्कूल और सहीजन कला के बीच नगर पालिका परिषद सोनभद्र की अध्यक्षा रूबी प्रसाद ब्रम्हकुमारी आश्रम की संचालक बहन सुमन दीदी के द्वारा टास कराकर मैच का शुभारंभ किया गया,प्रकाश जीनियस स्कूल की टीम टॉस जीतकर सहीजन की टीम को पहले बल्लेबाजी करने के लिए आमंत्रित किया ,सहीजन कला की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 05 ओवर में 03 विकेट खोकर 36 रनों का स्कोर खड़ा किया,जवाब लक्ष्य का पीछा करते हुए प्रकाश जीनियस स्कूल की टीम को जीत के लिए अंतिम बाल पे 4 रन की जरूरत थी अतः चौका लगा कर मैच को जीत लिया तीसरा खेल महिलाओं के बीच कुर्सी दौड़ का खेल भी खेला गया जिसमें डा0अनुपमा सिंह व श्वेता केसरी जी विजई रही ।चौथा खेल रस्सा कसी (अमृत खेल) का आयोजन भाजपा महिला मोर्चा के महिलाओं के बीच खेला गया, जिसमें भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष मति पुष्पा सिंह की टीम विजई रही। प्रतिभागी सभी महिला खिलाड़ियों को नगर पालिका परिषद सोनभद्र की अध्यक्ष मती रूबी प्रसाद डा0अनुपमा सिंह रचना तिवारी के द्वारा प्रशस्ति पत्र व मैडल देकर सम्मानित किया गया।

मरकरी नहर मर्डर केस सॉल्व, मुख्य अभियुक्त गिरफ्तार, रॉबट्र्सगंज क्षेत्र में मिले अज्ञात शव की गुत्थी सुलझी'

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। रॉबट्र्सगंज क्षेत्रान्तर्गत अमौली गांव के सामने मरकरी नहर में मिले अज्ञात व्यक्ति के शव की घटना का पुलिस द्वारा सफल अनावरण किया गया है। रॉबट्र्सगंज पुलिस द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त कराई गई, जिसकी पहचान अखिलेश यादव उर्फ कन्हैया यादव उम्र लगभग 25 वर्ष निवासी ग्राम नौडिहा, थाना पन्नूगंज, जनपद सोनभद्र के रूप में हुई। परिजनों द्वारा बताया गया कि मृतक दिनांक 23.12.2025 से लापता था, जिसकी गुमशुदगी थाना पन्नूगंज पर पूर्व में दर्ज कराई गई थी ।उक्त घटना के सम्बन्ध में थाना रॉबट्र्सगंज पर मु0अ0सं0 06/2026 धारा 103(1), 140(2), 238 बीएनएस का अभियोग पंजी.त कर विवेचना एवं साक्ष्य संकलन की कार्यवाही की जा रही थी ।पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देश पर, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार के पर्यवेक्षण में एवं क्षेत्राधिकारी नगर श्री रणधीर कुमार मिश्रा के नेतृत्व में 04 विशेष टीमों का गठन किया गया। गठित टीमों द्वारा साक्ष्य संकलन एवं विवेचना के उपरान्त घटना कारित करने वाले अभियुक्त सुदीप देव पाण्डेय उर्फ सूरज उम्र लगभग 26 वर्ष निवासी नरोत्तमपुर, थाना पन्नूगंज, को 04.01.2026 को गेरूई नर्सरी के पास से गिरतार किया गया ।गिरतार अभियुक्त ने पूछताछ में बताया कि 23.12.2025 की शाम उसने टेलीफोन पर वार्ता कर अखिलेश उर्फ कन्हैया को अपनी गाड़ी से लेकर सजौर आया । वहां से दोनों बंटी उर्फ सोनू उर्फ प्रतीक, पुत्र अवधेश, निवासी जैत, थाना रॉबट्र्सगंज, जनपद सोनभद्र, उम्र लगभग 27 वर्ष नामक व्यक्ति के पास जाकर उससे हेरोइन खरीदी तथा एक मेडिकल स्टोर से दवा व इंजेक्शन लिया। इसके पश्चात दोनों सजौर स्थित मकान पर आए ।अभियुक्त द्वारा बताया गया कि उसने स्वयं को इंजेक्शन के माध्यम से 05 एमएल तथा अखिलेश को 10 एमएल हेरोइन का इंजेक्शन लगाया । इसके बाद अखिलेश के मुंह से झाग निकलने लगा। घबराहट में अभियुक्त द्वारा अखिलेश का गला दबा दिया गया, जिससे उसकी मृत्यु हो गई। मृत्यु उपरान्त अभियुक्त द्वारा शव को 24/25.12.2025 की भोर में लगभग 05रू00 से 05रू30 बजे के मध्य अपनी बोलेरो वाहन में लादकर मरकरी नहर में फेंक दिया गया।

मुंबई से कमाकर लौट रहे युवक की ट्रेन में हुई मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

महराजगंज/बृजमनगंज ।बृजमनगंज ब्लॉक के ग्राम सभा सौराहा टोला पिपरहना निवासी पंचम पुत्र बाबूलाल (51 वर्ष) की मुंबई से घर लौटते समय ट्रेन में मौत हो गई। घटना की जानकारी परिजनों को जीआरपी रावेन्द्र कुमार मिश्रा झांसी ने दी ।मृतक के छोटे भाई अशोक कनोजिया ने बताया कि उनके बड़े भाई पंचम मुंबई में मजदूरी करते थे और परसों मुंबई से घर गाड़ी संख्या 22538 मुंबई से गोरखपुर आने वाली कुशीनगर एक्सप्रेस से आ रहे थे। झांसी की जीआरपी पुलिस ने बताया कि वे जनरल कोच में सवार थे और अतीत अवस्था में पाए गए, उनकी मृत्यु हो चुकी थी ।जीआरपी पुलिस झांसी में मृतक का पोस्टमार्टम करवा रही है और मृतक के परिजन बृजमनगंज से झांसी शव को लेने गए हैं। देर रात तक उनका शव पिपरहना में पहुंचेगा। मृतक के दो छोटे लड़के और एक लड़की हैं और परिजन इस घटना से सदमे में हैं।

शक्तिनगर पुलिस द्वारा जनचौपाल का आयोजन कर महिलाओं एवं बालिकाओं को किया गया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र ।पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में थानाध्यक्ष

शक्तिनगर, चौकी प्रभारी बीना तथा थाना शक्तिनगर की पुलिस टीम द्वारा रविवार को थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बांसी, बीना में स्थानीय महिलाओं एवं बालिकाओं को मिशन शक्ति के अंतर्गत जागरूक किया गया ।इस दौरान महिलाओं को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों जैसे महिला सशक्तिकरण, महिला जागरूकता कार्यक्रम तथा महिला सहायता हेल्पलाइन नंबर 1090, 181 एवं महिलाओं के लिए प्रचलित अन्य सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही महिलाओं को अपनी सुरक्षा, अधिकारों एवं किसी भी आपात स्थिति में पुलिस से संपर्क करने के तरीकों के बारे में अवगत कराया गया ।थाना शक्तिनगर पुलिस द्वारा महिलाओं से संवाद स्थापित कर उन्हें निर्भीक होकर आगे आने एवं किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल पुलिस को सूचित करने हेतु प्रेरित किया गया।

बेसिक स्कूलों की छुट्टी का कैलेंडर जारी, वसंत पंचमी की छुट्टी बहाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

लखनऊ। बेसिक शिक्षा परिषद ने परिषदीय व मान्यता प्राप्त बेसिक विद्यालयों में नए साल 2026 की छुट्टियों का कैलेंडर जारी कर दिया है। इसके तहत स्कूलों में 33 दिन सार्वजनिक अवकाश रहेगा। इस बार 23 जनवरी को वसंत पंचमी की भी छुट्टी अलग होगी जो पिछले साल समायोजित कर दी गई थी। हालांकि, होली और दिवाली की छुट्टियों के बीच में एक–एक दिन विद्यालय खुलेंगे ।परिषद की ओर से जारी कैलेंडर के अनुसार होलिका दहन का अवकाश दो मार्च और होली का चार मार्च को है। पर, तीन मार्च मंगलवार को विद्यालय खोला जाएगा। ऐसे ही नरक चतुर्दशी व दीपावली की छुट्टी आठ नवंबर को, गोवर्धन पूजा नौ को और भैया दूज व चित्रगुप्त जयंती की छुट्टी 11 नवंबर को है। पर, 10 नवंबर मंगलवार को विद्यालय खुलेंगे। परिषद के सचिव सुरेंद्र कुमार तिवारी के अनुसार हरितालिका तीज, करवा चौथ, संकठा चतुर्थी, हलषष्ठी या ललई छठ, जिउतिया या अहोई अष्टमी का अवकाश शिक्षिकाओं व पितृ विसर्जन की छुट्टी शिक्षक–शिक्षिका दोनों को देय होगी ।गर्मी की छुट्टियां 20 मई से 15 जून तक और जाड़े की छुट्टियां 31 दिसंबर से 14 जनवरी तक होंगी। गर्मी व जाड़े में मौसम में बदलाव के मद्देनजर सक्षम अधिकारी द्वारा विद्यालय के समय में आवश्यकतानुसार बदलाव किया जा सकेगा। गर्मी में स्कूलों में इंटरवल 10.30 से 11 बजे तक और जाड़े में 12 से 12.30 बजे तक होगा। ब्यूरो

भगवान जगन्नाथ मठ में विराट हिंदू सम्मेलन, सामाजिक समरसता और संगठन पर दिया गया बल

दैनिक बुद्ध का संदेश

महराजगंज/सिसवा बाजार ।सिसवा विकास खंड के ग्रामसभा बड़हरा महंथ स्थित प्राचीन भगवान जगन्नाथ मठ परिसर में रविवार को विराट हिंदू सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। सम्मेलन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, सामाजिक कार्यकर्ता एवं क्षेत्रीय गणमान्य लोग शामिल हुए। आयोजन का मुख्य उद्देश्य हिंदू समाज को सामाजिक रूप से जागरूक करना, आपसी 1एकता को मजबूत करना तथा संगठन की भावना को सु.ढ़ करना रहा ।कार्यक्रम की शुरुआत अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त भजन गायक व उत्तर प्रदेश संगीत नाट्य अकेडमी सदस्य अमित अंजन के सुमधुर और भक्तिमय भजनों से हुई। भजनों के माध्यम से उन्होंने धर्म, संस्.ति और राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया, जिससे पूरा परिसर आध्यात्मिक वातावरण

में सराबोर हो गया। तत्पश्चात ज्योतिष मणि त्रिपाठी व कवि आलोक शर्मा ने अपने हिंदूवादी ओजस्वी उद्गोष से उपस्थित हिन्दू समाज मे सबका मन मोह लिया ।सम्मेलन के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह विभाग प्रचारक अजीत ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में जातिवाद हिंदू समाज के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुका है। उन्होंने कहा कि जाति के नाम पर समाज को बांटने की प्रवृत्ति से कुछ लोग निजी स्वार्थ साध रहे हैं, जिससे समाज की सामूहिक शक्ति कमजोर हो रही है। उन्होंने लोगों से आपसी भेदभाव, ऊंच–नीच और संकीर्ण सोच को त्यागकर संगठित रहने की अपील की ।अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज की मजबूती के लिए एकजुटता, संस्कार और सेवा भाव अनिवार्य हैं। वक्ताओं ने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपनी सांस्.तिक विरासत, धार्मिक परंपराओं और नैतिक मूल्यों की रक्षा के लिए सक्रिय भूमिका निभाएं ।इस अवसर पर सिसवा मठाधीश महंत संकर्षण रामानुज दास, ज्योतिष मणि त्रिपाठी, नगर कार्यवाह अमित, नगर प्रचार प्रमुख योगेश, खंड संघचालक रामवचन, खंड कार्यवाह बिपिन, ग्राम प्रधान बृजेश पांडेय, महंत बालकदास, जितेंद्र बहादुर सिंह, नागेंद्र मल्ल, संजय पांडेय, कन्हैया प्रसाद, रणधीर सिंह,मुक्तिनाथ सिंह, जितेंद्र बहादुर सिंह सहित क्षेत्र के अनेक प्रबुद्धजन उपस्थित रहे। सम्मेलन का समापन समाज की एकता और सांस्.तिक चेतना को मजबूत करने के संकल्प के साथ हुआ।

बृजमनगंज रामलीला पार्क में 08 जनवरी को हिन्दू सम्मेलन का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

महराजगंज/बृजमनगंज ।बृजमनगंज कस्बे के वार्ड नं 7 में स्थित रामलीला पार्क में राष्ट्रीय स्वयं संघ द्वारा हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस सम्मेलन की जानकारी देते हुए नगर अध्यक्ष राकेश जायसवाल ने बताया कि यह आयोजन 08 जनवरी को होगा । नगर अध्यक्ष राकेश जायसवाल ने बताया कि इस सम्मेलन में राष्ट्रीय स्वयं संघ के कार्यकर्त्ता नागेंद्र जिला प्रचारक,शूरवीर सह जिला कार्यवाहक, प्रेम शंकर चौबे खण्ड सम्पर्क प्रमुख, विजय पाण्डेय खण्ड कार्यवा, ब्लॉक प्रमुख उदयराज यादव, पूर्व ब्लॉक प्रमुख हरिशंचंद सोनकर सहित अनेक सभासद मौजूद रहेंगे। उन्होंने बताया कि इस सम्मेलन का उद्देश्य हिन्दू समाज को एकजुट करना और उनके अधिकारों की रक्षा करना है ।सम्मेलन की तैयारी के लिए एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें राष्ट्रीय स्वयं संघ के कार्यकर्त्ताओं ने भाग लिया। बैठक में सम्मेलन के आयोजन के बारे में विस्तृत चर्चा की गई और आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए ।नगर अध्यक्ष राकेश जायसवाल ने बताया कि इस सम्मेलन में बड़ी संख्या में हिन्दू समाज के लोग भाग लेंगे और अपने विचार व्यक्त करेंगे। उन्होंने बताया कि यह सम्मेलन हिन्दू समाज के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर होगा, जिसमें वे अपने अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट हो सकेंगे ।बैठक मे सभासद काजू कन्नौजिया, बुद्धिराम चौरसिया, सनी यादव, झीनक विश्वकर्मा, जय प्रकाश गौड़, चंद्र शेखर यादव, प्रदुमन सिंह, अनूप चौरसिया, मनोज जायसवाल, शिव प्रसाद चौरसिया झीनक चौधरी,धर्मेंद्र चौरसिया, राजन चौरसिया, मुन्नू दुवे, दिलीप कन्नौजिया मौजूद रहें।

ठाकुर यादवेंद्र सिंह स्मारक फुटबॉल प्रतियोगिता में कानपुर व आसाम की दमदार एंट्री

दैनिक बुद्ध का संदेश

महराजगंज/सिसवा बाजार। स्थानीय महात्मा गांधी इंटरमीडिएट कॉलेज के खेल मैदान में रॉयल स्पोर्टिंग क्लब के तत्वावधान में चल रही ठाकुर यादवेंद्र सिंह स्मारक ऑल इंडिया फुटबॉल प्रतियोगिता रविवार को रोमांच से भरपूर मुकाबलों की साक्षी बनी। प्रतियोगिता के तहत खेले गए दो अहम मैचों में आसाम और कानपुर की टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने–अपने मुकाबले जीतकर अगले चरण में जगह बना ली ।मैचों का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. गौरव सिंह द्वारा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया गया। उद्घाटन के पश्चात पहला मुकाबला एमएससी फुटबॉल क्लब तिनसुकिया, आसाम और एफएसी क्लब किशनगंज, बिहार के बीच खेला गया। शुरुआत से ही आसाम की टीम ने आक्रामक खेल दिखाते हुए विपक्षी टीम पर दबाव बनाए रखा। मैच के पहले हाफ में आसाम के खिलाड़ी संगम ने शानदार मैदानी गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिला दी। इसके बाद बिहार की टीम ने बराबरी के प्रयास किए, लेकिन आसाम की मजबूत रक्षापंक्ति के

सामने उसे सफलता नहीं मिली। निर्धारित समय की समाप्ति पर आसाम ने 1–0 से जीत दर्ज की ।दिन का दूसरा मुकाबला आदापुर, नेपाल और डीएफए कानपुर के बीच खेला गया। दोनों टीमों ने पूरे मैच में संतुलित और संघर्षपूर्ण खेल का प्रदर्शन किया। मध्यांतर सहित पूरे निर्धारित समय में कोई भी टीम गोल करने में सफल नहीं हो सकी।

अंततः मैच का निर्णय ट्राई ब्रेकर के माध्यम से हुआ, जिसमें कानपुर की टीम ने बेहतर संयम और सटीकता का परिचय देते हुए नेपाल को 5–4 से पराजित कर प्रतियोगिता के अगले दौर में प्रवेश किया ।मैचों के दौरान खेल प्रेमियों की भारी उपस्थिति रही और दर्शकों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन तालियों से किया। आयोजन को सफल बनाने में आयोजन समिति के सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

इस अवसर पर शिबू बनारसी,शकील अहमद,गुड्डू जायसवाल, मनोज केसरी, अशोक बंका, आकाश सिंह, दीपक चौधरी, मंजूर अहमद, फरीद अहमद, इलियास अहमद, शैलेश सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग एवं खेलप्रेमी उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक:- श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट-हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं मकान नं. 203 निकट बी.एस.एन.एल. टावर खलवा मोहल्ला, नगर पालिका परिषद बलरामपुर, जनपद- बलरामपुर, उ0प्र0-271201 से प्रकाशित । आर.एन.आई. नं0- UPHIN/2021/86502 । सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद-सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

बॉर्डर–2 : वरुण धवन ने बिना नाम लिए दी पाकिस्तान और बांग्लादेश को चेतावनी, किया ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र

23 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली फिल्म बॉर्डर–2 का क्रेज सोशल मीडिया पर बना हुआ है। शुक्रवार को फिल्म का आइकॉनिक गाना घर कब आओगे जैसलमेर में तनोट माता मंदिर के पास लॉन्च किया गया। जहां बीएसएफ के जवानों को सम्मानित भी किया गया, लेकिन सॉन्ग लॉन्च के दौरान वरुण धवन ने बिना किसी का नाम लिए पाकिस्तान और बांग्लादेश दोनों को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि जो देश दूसरे देश को आजादी दिला सकता है, वो अपनी आजादी के लिए भी लड़ सकता है। बॉर्डर–2 के आइकॉनिक गाने घर कब आओगे के सॉन्ग लॉन्च पर अभिनेता वरुण धवन पूरे जोश के साथ दिखे। उन्होंने लॉन्च पर कहा कि वे बचपन से ही देश की रक्षा में तैनात भारतीय जवानों के साहस पर बनी फिल्म में काम करना चाहते थे।

उन्होंने कहा, मैंने बचपन में बॉर्डर देखी थी और तब मुझे पहली बार महसूस हुआ था कि मुझे भी देशभक्ति से भरी फिल्म में काम करना है। इस मंच पर खड़े होकर मैं देख रहा हूं कि हर जगह ऑपरेशन सिंदूर के पोस्टर्स लगे हुए हैं। वैसे तो हमारा देश बहुत अमन, शांति और प्यार वाला देश है, लेकिन कभी–कभी बहुत जरूरी है बॉर्डर–2 जैसी फिल्मों का आना, क्योंकि इससे हमारे देश के जो यूथ हैं, उन्हें हम सबको बता दें कि हमारे देश में वो जज्बा है, वो हिम्मत है, जब–जब हमारी धरती मां को कोई आंख भी उठाकर देखेगा, तो हम उन्हें मुंहतोड़ जवाब दे सकते हैं।

वरुण ने साल 1971 में पाकिस्तान और बांग्लादेश के विभाजन का भी जिक्र किया और कहा, अगर हम एक ओर पर 1971 में दूसरे देश को आजादी दिला सकते हैं, तो उसी वक्त हम खुद के फ्रीडम के लिए लड़ भी सकते हैं। ये जज्बा और हिम्मत आज भी हमारी सेना में मौजूद है। अभिनेता ने सभी से फिल्म देखने की अपील की है। इससे पहले सनी देओल भी फिल्म को लेकर इमोशनल नजर आए। उन्होंने बताया कि वे अपने पिता धर्मेंद्र की फिल्म हकीकत को देखकर बहुत प्रेरित हुए थे और उन्होंने फैसला लिया था कि एक फिल्म ऐसी करनी है।

बता दें कि साल की शुरुआत में भी भारत सरकार ने पहलगाम हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया और पाकिस्तान को मुंह तोड़ जवाब दिया था। वहीं आज बांग्लादेश में भी हालात ठीक नहीं हैं। वहां हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है। ऐसे में वरुण धवन ने अपनी फिल्म के जरिए दोनों देशों को कड़ा संदेश दिया है।

43 साल के करियर में अनुपम खेर की 550वीं फिल्म की शूटिंग शुरू, कहा– कभी नहीं सोचा था

3 जून 1981 को एक ऐसे शख्स ने मुंबई में कदम रखा, जो आज हिंदी सिनेमा की बड़ी पहचान बन चुका है। हम बात कर

रहे हैं अनुपम खेर की, जिन्होंने अपने 43 साल के करियर में 550वीं फिल्म के आंकड़े को छू लिया है और अपने इतने लंबे करियर में उन्होंने कई तरह के उतार–चढ़ाव भी देखे। अब उन्होंने 550वीं फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है और इसका श्रेय अपने चाहने वालों को दिया है। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर ने 1982 में आई फिल्म आगमन में छोटा सा किरदार निभाकर अपने करियर की शुरुआत की थी, लेकिन 1984 में आई फिल्म सारांश से उन्हें बड़ा ब्रेक मिला। किसे पता था कि सारांश से सराहना पाने वाले अनुपम खेर हिंदी सिनेमा पर राज करेंगे? अब साल 2025 में अभिनेता ने अपनी 550वीं फिल्म खोसला का घोसला–2 की शूटिंग शुरू कर दी है, जो उनके जीवन और करियर की बड़ी उपलब्धि है। अपनी खुशी जाहिर करते हुए अनुपम खेर ने इंस्टाग्राम पर एक लंबा पोस्ट शेयर किया है।

उन्होंने पोस्ट में बताया, आज जब मैं अपनी 550वीं फिल्म खोसला का घोसला–2 की शूटिंग शुरू कर रहा हूं, मेरा दिल कृतज्ञता और आभार से भरा है। जब मैं 3 जून 1981 को सपनों के शहर मुंबई पहुंचा था, तब मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मैं 550 फिल्मों का यह मुकाम हासिल करूंगा। लेकिन आज मैं दिल्ली में केकेजी–2 के लिए अपना पहला शॉट देने को तैयार हूं। आपको बता दूं कि मुझे सच में लगता है कि मेरे पास देने के लिए बहुत कुछ है, करने के लिए बहुत कुछ है।

उन्होंने आगे लिखा, सपनों की कोई समय सीमा नहीं होती है। मेरा आशावाद, मेरा कभी हार न मानने वाला रवैया और मेरी कड़ी मेहनत करने की क्षमता ही मेरी सबसे बड़ी ताकत रही है, लेकिन इन सभी वर्षों में मेरा अस्तित्व केवल मेरे सभी निर्माताओं, निर्देशकों, सह–कलाकारों, तकनीशियनों और सबसे बढ़कर आप सभी दर्शकों के समर्थन के कारण ही संभव हो पाया है! आपके समर्थन के बिना इस मुकाम तक पहुंचना कभी संभव नहीं होता।

अभिनेता ने दर्शकों को 43 साल तक मनोरंजन किया है और इस बड़ी उपलब्धि में फैंस का भी योगदान है। फैंस भी मनोरंजन की इस लंबी यात्रा के लिए अभिनेता को बधाई दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, बहुत ही ऐतिहासिक सफर चल रहा है सर, इतने बड़े पैमाने तक टिक पाना और बने रहना, वो भी बिना टाइपकास्ट के। ये सभी के लिए एक प्रेरणा की तरह है।

वेट लॉस के लिए नींबू पानी या सिरका, किसका करें सेवन

आज के समय में हर दूसरा व्यक्ति अपने बढ़े हुए वजन से परेशान है और इसे कम करने के लिए तरह–तरह की डिटॉक्स ड्रिंक पीना पसंद करते हैं। जब वेट लॉस की बात होती है तो इसमें विनेगर और नींबू पानी को बहुत अधिक फायदेमंद माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि ये दोनों ड्रिंक्स फैट बर्निंग में मदद करते हैं और मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करते हैं। जिसकी वजह से आपको फ्लैट टमी मिलता है। लेकिन अक्सर लोग इस बात को लेकर असमंजस में रहते हैं कि इन दोनों में से किसका सेवन किया जाए।

तो आज इस लेख में आसान शब्दों में समझेंगे कि विनेगर और नींबू पानी में क्या अंतर है, वजन घटाने के लिए कौन सी ड्रिंक बेहतर है, इसे कैसे और कब पीना चाहिए–

विनेगर वेट लॉस में किस तरह मदद करता है – विनेगर आपकी भूख थोड़ी कम कर सकता है, जिससे आपको ज्यादा देर तक पेट भरा हुआ महसूस होगा। साथ ही, यह ब्लड शुगर को भी कंट्रोल करने में मदद कर सकता है, जिससे आपको कम क्रेविंग होती है। यह डाइजेशन को भी बेहतर कर सकता है। विनेगर में एसिटिक एसिड होता है, जो फैट मेटाबॉलिज्म को भी हल्का सपोर्ट करता है। विनेगर का सेवन किस तरह करें: एक चम्मच विनेगर को एक गिलास पानी में मिलाकर लिया जा सकता है। इसे खाने से पहले लेना सबसे अच्छा है। इसे कभी भी डायलूट किए बिना ना लें, क्योंकि यह एसिडिक होता है। विनेगर से क्या नुकसान हो सकते हैं: विनेगर आपके दांतों के इनेमल को नुकसान पहुंचा सकता है। इसके अलावा, इससे एसिड रिफ्लक्स, ब्लोटिंग, जलन हो सकती है। बीपी या शुगर की दवाओं के साथ यह दिक्कत कर सकता है। इसलिए अगर आपको गैस्ट्राइटिस, एसिडिटी, अल्सर है या आप बीपी या डायबिटीज की दवाएं ले रहे हैं, तो पहले डॉक्टर से पूछें। नींबू पानी वेट लॉस में किस तरह मदद करता है – नींबू पानी आपको हाइड्रेटेड रखता है, जिससे आप बेवजह की स्नैकिंग कम होती है। यह डाइजेशन में मदद करता है। यह आपको फ्रेश और हल्का महसूस कराता है। हाइड्रेशन से मेटाबॉलिज्म बेहतर होता है, वॉटर रिटेंशन कम होता है और आप पतले लगते हैं। नींबू पानी का सेवन किस तरह करें : गर्म पानी में आधा नींबू निचोड़कर लें। आप इसे सुबह या कभी भी ले सकते हैं। अगर आप चाहें तो इसमें थोड़ा शहद भी डाल सकते हैं, लेकिन यह पूरी तरह से ऑप्शनल है। नींबू पानी से क्या नुकसान हो सकते हैं : नींबू पानी से साइड इफेक्ट होने की संभावना काफी कम होती है। लेकिन सेंसिटिव लोगों में इससे एसिडिटी हो सकती है। इसका बहुत ज्यादा सेवन करने से दांतों का इनेमल खराब हो सकता है।

फिल्मी अंदाज में सलमान खान के भांजे अयान अग्निहोत्री ने किया प्रपोज, खान परिवार की बहु बनेंगी टीना रिजवानी

सलमान खान के भांजे अयान अग्रिहोत्री ने अपनी लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड टीना रिझवानी से सगाई

कर ली है। अयान ने टीना के साथ प्रपोजल फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर की है। फोटो शेयर करते ही सोशल मीडिया पर गॉसिप का अड्डा बन गया। अयान के इस पोस्ट पर बॉलीवुड के कई सेलेब्स ढेर सारी बधाई दे रहे हैं। ऐसे में सभी जानना चाहते है कि आखिर सलमान के परिवार की बहू है कौन? कौन है टीना रिझवानी?: आपको बता दें कि टीना रिझवानी लाइमलाइट से दूर रहती है, भले ही पब्लिक फिगर नहीं हैं, वह कॉर्पोरेट स्पेस से आती हैं। मीडिया रिपोर्ट में पता चला है कि टीना कम्यूनिकेशन्स में काम करती हैं और ब्लू एडवाइजरी से असोसिएट हैं जहां उनका कम्यूनिकेशन्स में लीडरशिप रोल हैं। जानकारी के मुताबिक, टीना साल 2024 में इस कंपनी से जुड़ी थीं। टीना को बिजनेस मैनजमेंट और मार्केटिंग में 10 साल हो गए हैं।

अयान का फिल्मी प्रपोजल: टीना और अयान काफी समय से रिलेशनशिप में हैं। फोटोज शेयर कर उन्होंने लिखा, अपनी गर्लफ्रेंड को 2025 में छोड़ दिया। फोटोज में आप देख सकते है कि अयान ने इस प्रपोजल को कितना खास रखा था। उन्होंने पूल को गुलाब के फूलों से सजाया था और काफी फायरवर्क्स भी किए थे।

अयान का फिल्मी करियर: बता दें कि, अयान ने बतौर सिंगर अपना ऑफिशियल डेब्यू यूनिवर्सल लॉ सिंगल से किया। उन्हें गानों से प्यार हैं। अयान बहुत मेहनत करते हैं और अपने गानों के जरिए काफी एक्सपैरिमेंट करते हैं। उन्होंने अपना स्टेज नेम अग्नि रखा है।

सलमान के साथ किया काम: जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि सलमान ने पहले विशाल मिश्रा के कंपोज किए हुए गाने श्यू आर माइनश में अयान के साथ काम किया था। रैप वाले हिस्से अयान ने गाए थे। उन्होंने अपना सिंगल श्यूनिवर्सल लॉजश भी रिलीज किया है और वह अपने म्च पर भी काम कर रहे हैं।

बर्थडे स्पेशल : ब्यूटी विद ब्रेन एक्ट्रेस, मिस इंडिया खिताब को बताया करियर के लिए बाधा

ब्यूटी विद ब्रेन की बात की जाए तो मल्टी–टैलेंटेड पर्सनैलिटी गुलकीरत कौर पनाग का नाम जरूर आता है। मिस इंडिया का खिताब हो या सर्टिफाइड पायलट गुल सिर्फ एक्ट्रेस और मॉडल ही नहीं, बल्कि फिटनेस एक्सपर्ट, बाइकर और सोशल एक्टिविस्ट भी हैं। गुल पनाग ने साल 1999 में मिस इंडिया का खिताब जीता था। उनका नजरिया हमेशा स्पष्ट और अलग हटकर रहा है। बॉलीवुड में उन्होंने कम फिल्में कीं, लेकिन हर बार सार्थक और मजबूत भूमिकाएं चुनीं। एक इंटरव्यू में गुल ने कहा था कि मिस इंडिया का ताज उनके करियर में बाधा बन गया।

उनका मानना है कि फिल्ममेकर्स ब्यूटी क्वीन को गंभीर और गहरी भूमिकाओं में कास्ट करने से हिचकिचाते हैं। मेकर्स उन्हें सिर्फ ग्लैमरस रोल ही ऑफर करते हैं।

गुल ने प्रियंका चोपड़ा का उदाहरण देते हुए कहा कि केवल प्रियंका ही इस टैग को तोड़कर बेहतरीन अभिनेत्री बनीं।

गुल ने बताया था, मिस इंडिया का खिताब मेरे लिए एक बाधा साबित हुआ है। अगर कोई एक्ट्रेस सिर्फ ग्लैमरस रोल या थोड़ा डांस करने वाली फिल्में करना चाहती है, जहां उसका योगदान कम हो, तो यह खिताब बड़ी उपलब्धि है। लेकिन अगर कोई गंभीर अभिनेत्री बनना चाहती है और सार्थक भूमिकाएं निभाना चाहती है, तो फिल्ममेकर्स मिस इंडिया को ऐसी भूमिकाओं में कास्ट करने से हिचकिचाते हैं।

गुल का मानना है कि आजकल अच्छी और सार्थक फिल्में बन रही हैं, जिन्हें मजबूत एक्टर्स की जरूरत है। उन्होंने प्रियंका चोपड़ा का उदाहरण देते हुए उनकी तारीफ करते हुए कहा था कि सिर्फ प्रियंका ही हैं, जिन्होंने ब्यूटी क्वीन का टैग तोड़कर खुद को एक शानदार अभिनेत्री साबित किया है।

गुल पनाग का फिल्मी सफर साल 2003 में रिलीज हुई फिल्म धूप से शुरू हुआ। डेब्यू फिल्म में उन्होंने कारगिल युद्ध में शहीद हुए कैप्टन अनुज नायर की विधवा की भूमिका निभाई। फिल्म की कहानी परिवार के संघर्ष पर आधारित थी और गुल की परफॉर्मेंस को काफी सराहना मिली।

इसके बाद वह साल 2006 में आई नागेश कुकुनूर की डोर में नजर आईं, जिसमें गुल ने एक राजस्थानी विधवा का किरदार निभाया। आयशा टाकिया के साथ उनकी केमिस्ट्री और इमोशनल एक्टिंग ने उन्हें क्रिटिक्स अवॉर्ड दिलाया। यह फिल्म गुल के करियर की सबसे सफल और यादगार फिल्मों में से एक है।

साल 2007 में मनोरमा सिक्स फीट अंडर आई, जो एक थ्रिलर थी और गुल की परफॉर्मेंस फिर सराही गई। इसके अलावा हेलो, स्ट्रेट, रन, टर्निंग 30 और अब तक छप्पन 2 जैसी फिल्मों का हिस्सा वह रह चुकी हैं। गुल की वेब सीरीज पाताल लोक में उनकी सपोर्टिंग रोल को भी खूब पसंद किया गया। गुल हमेशा कंटेंट वाली फिल्में चुनती हैं और कमर्शियल सिनेमा से दूर रहती हैं।

पर्सनल लाइफ की बात करें तो साल 2011 में उन्होंने बॉयफ्रेंड और पायलट ऋषि अत्तारी से पंजाबी रीति–रिवाज से शादी की। साल 2018 में उन्होंने बेटे को जन्म दिया और बेटे का नाम निहाल रखा। वह अक्सर सोशल मीडिया पर परिवार के साथ बाइक राइड, ट्रिप और फिटनेस की तस्वीरें शेयर करती हैं। वह खुद लाइसेंस्ड पायलट, मैराथन रनर और बाइकर भी हैं।